खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 07 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-124

स्वर्गवास

श्री सुरेश गुप्ता

(सुपुत्र : स्व: श्री हरिप्रसाद जी गुप्ता) का
स्वर्गवास बुधवार दि. 6 मई 2026 को हुआ।

अंतिम यात्रा आज गुरुवार दि. 7 मई 2026 को प्रात: 10 बजे
हमारे निवास स्थान पी.जी. रोड से पुरानापुल श्मशान वाटिका जाएगी।

शोकाकुल :
महेश, नरेन्द्र, सुरेंदर, सुनील, संदीप (भाई) नितीन (पुत्र)
वंश (भतीजा) मनन (पौत्र) एवं समस्त गुप्ता परिवार।

फर्म : **रामेश्वर दयाल हरिप्रसाद गुप्ता**
1-8-215/39/1, हरि कुंज, डिम्मी पान शॉप के सामने, पी. जी. रोड, सिकन्दराबाद
फोन: 9246505234, 9849105358, 9849009773

Jyoti Vishnu Pharma Pvt Ltd, King Koti, Hyd
Renuka Logistics, King Koti, Hyd
Vishnu Medical Pariwar

सड़क मार्ग से नेपाल आने वाले वाहनों के लिए अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

काठमांडू

नेपाल सरकार ने भारतीय पर्यटकों तथा भारत के रास्ते नेपाल आने वाले अन्य देशों के पर्यटकों के वाहन की प्रवेश सुविधा देने के लिए ऑनलाइन सेवा शुरू की है। इस प्रणाली का उद्घाटन वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले ने एक कार्यक्रम के दौरान किया।

कस्टम विभाग ने स्थल मार्ग से नेपाल में प्रवेश करने वाले विदेशी वाहनों के लिए ऐसा सिस्टम विकसित किया है, जिससे वे ऑनलाइन ही अपना विवरण भरकर राजस्व भुगतान कर सकते हैं। नई प्रणाली लागू होने के बाद अब नेपाल में वाहन लेकर आने वाले भारतीय और तृतीय देश के पर्यटक ऑनलाइन ही अपनी जानकारी दर्ज करके शुल्क जमा कर सकते हैं। पहले ऐसे वाहनों को भन्सार नाके पर पहुंचकर भौतिक रूप से अस्थायी अनुमति लेनी पड़ती थी। यात्रा अवधि समाप्त होने पर नवीनीकरण के लिए भन्सार नाके पर जाना पड़ता था या जुर्माना भरना पड़ता था, लेकिन अब पर्यटक घर से ही ऑनलाइन माध्यम से वाहन का परमिट भरकर और भुगतान करके बिना झंझट नेपाल यात्रा कर सकते हैं। नई सेवा का शुभारंभ करते हुए वित्त मंत्री डा. वाग्ले ने कहा कि इससे सीमा क्षेत्रों में पर्यटकों को होने वाली परेशानियां खत्म होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सुशासन और तेज, गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवा देने की प्रतिबद्धता के तहत यह पहल की गई है। हम चाहते हैं कि पर्यटकों को कोई कठिनाई न हो और सरकारी सेवाएं तेज और सरल हों।

भन्सार विभाग के महानिर्देशक श्यामप्रसाद भण्डारी ने बताया कि अब नेपाल में प्रवेश करने वाले पर्यटक वाहनों के परमिट पूरी तरह डिजिटल हो गए हैं। यात्री और पर्यटक अब अपने वाहनों का विवरण ऑनलाइन स्वयं घोषित कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।नेपाल सरकार को देय राजस्व भी पर्यटक वाहन ऑनलाइन या बैंक काउंटर के माध्यम से जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन भुगतान करने वाले वाहन भन्सार में अपने ईमेल पर प्राप्त क्यूआर कोड दिखाकर नेपाल में प्रवेश कर सकते हैं। विभाग के अनुसार यात्रा अवधि समाप्त होने पर पर्यटक नेपाल के भीतर से ही ऑनलाइन माध्यम से उसे बढ़ा सकते हैं। इस सेवा का उपयोग करने के लिए कस्टम विभाग की वेबसाइट पर जाकर 'हमारी सेवाएं' के अंतर्गत टीआईवी (अस्थायी वाहन आयात) विकल्प चुनना होगा और वहां आवश्यक विवरण भरना होगा। सभी जानकारी भरने के बाद उपयोगकर्ता को एक क्यूआर कोड प्राप्त होगा, जिसके आधार पर शुल्क भुगतान कर वाहन नेपाल में प्रवेश कर सकता है। नेपाल के भीतर यात्रा के दौरान भी यही क्यूआर कोड दिखाना होगा। विभाग ने बताया कि यह प्रणाली नेपाल राष्ट्रीय एकद्वार प्रणाली के तहत विकसित की गई है, ताकि विदेशी नागरिकों के लिए सुविधा बढ़ाई जा सके ।फिलहाल यह सेवा भारत और अन्य देशों से आने वाले पर्यटक वाहनों के लिए लागू की गई है। विभाग के अनुसार अभी चीन के रास्ते स्थल मार्ग से वाहन आना कम है, लेकिन भविष्य में उनके लिए भी यह सेवा उपलब्ध रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने किया चौंकाने वाला फैसला : ईरान से बातचीत के बीच अमेरिका ने ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम रोका

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव और समुद्री संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अप्रत्याशित निर्णय लेते हुए सबको हैरान कर दिया है। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए शुरू किए गए अमेरिकी सैन्य मिशन ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम को महज तीन दिनों के भीतर अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यह वही महत्वाकांक्षी मिशन था जिसके तहत अमेरिका ने अपनी नौसेना और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती कर जहाजों को सुरक्षा कवच देने का दावा किया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस फैसले के पीछे ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत में हुई बड़ी प्रगति को मुख्य कारण बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समेत कई मित्र देशों के अनुरोध पर और एक संभावित समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से इस ऑपरेशन को फिलहाल रोका गया है। हालांकि, ट्रंप ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ईरान के खिलाफ की गई नाकेबंदी पूरी तरह जारी रहेगी। इसका अर्थ है कि सामरिक दबाव कम नहीं किया गया है; न तो ईरान का कोई जहाज होर्मुज पार कर पाएगा और न ही अरब सागर से कोई शिप ईरान की सीमा में प्रवेश कर सकेगा।

इटली की पीएम मेलोनी की डीप-फेक तस्वीरें हुई वायरल, जॉर्जिया ने कहा- ये दुष्प्रचार का खतरनाक तरीका

रोम। आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते दुरुपयोग ने अब विश्व के शीर्ष नेताओं की सुरक्षा और छवि के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। इसी क्रम में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी डीपफेक और एआई के गलत इस्तेमाल का नया निशाना बनी हैं। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर अपनी फर्जी तस्वीरों के प्रसारित होने पर गहरी चिंता जताई है और इसे लोकतंत्र व व्यक्तिगत गरिमा के लिए एक बड़ा खतरा बताया है। जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए बताया कि उनके विरोधियों द्वारा एआई से निर्मित उनकी नकली तस्वीरों को असली बताकर फैलाया जा रहा है। मेलोनी ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि जिसने भी ये तस्वीरें बनाई हैं, उन्होंने कम से कम उन्हें दिखने में काफी बेहतर बना दिया है।

नेपाल में बढ़ रहा है गुरुकुल और संस्कृत भाषा के प्रति आकर्षण

काठमांडू। नेपाल के गुरुकुलों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। छात्रों के बढ़ते नामांकन के साथ संस्कृत भाषा का सशक्त पुनरागमन हो रहा है दांग स्थित नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुरुप्रसाद सुवेदी के अनुसार, वर्तमान में देशभर में लगभग 25 हजार विद्यार्थी संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं। पूरे देश में करीब 500 गुरुकुल संचालित हैं, जिनमें से 300 पंजीकृत और 200 अपंजीकृत हैं।

सरकार के संवैधानिक परिषद अध्यादेश का नेपाली कांग्रेस संसद में विरोध करेगी

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने संवैधानिक परिषद से संबंधित अध्यादेश पर संसद की बैठक में असहमति जताने का निर्णय लिया है। प्रमुख सचेतक वासना थापा ने बताया कि सिंहदरबार में बुधवार को हुई संसदीय दल की बैठक में सरकार के इस अध्यादेश का विरोध करने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक परिषद से संबंधित अध्यादेश पर हम असहमति दर्ज करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि संसद में असहमति दर्ज कराने के बाद सरकार इस पर कैसे आगे बढ़ती है, उसी के आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। इसके साथ ही बैठक में सरकार के सार्वजनिक खरीद और सार्वजनिक पदाधिकारियों की पदमुक्ति से जुड़े अध्यादेशों पर भी चर्चा की गई।

ईरान बोला- यूएस की कार्रवाइयों ने जहाजरानी सुरक्षा को खतरे में डाला

अमेरिकी पोतों ने होर्मुज में की प्रवेश की कोशिश, ईरान ने बरसाई गोलियां

तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्धविराम के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नौसेना नजर जमाए हुए है। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिकी विध्वंसक पोतों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने की जब कोशिश की तो ईरानी नौसेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियां दागीं। इस बीच ईरान ने बताया कि अमेरिका ने उसकी नागरिक नौकाओं पर हमला किया, जिसमें उसके पांच लोग मारे गए। हालांकि अमेरिका ने दावा किया कि उसने जिन नौकाओं पर हमला किया, वे ईरान के आईआरजीसी की हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे ईरान के मुख्य वार्ताकार और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने मंगलवार को चेतावनी दी थी कि होर्मुज को लेकर जारी गतिरोध में उनके देश ने अभी शुरुआत भी नहीं की है। गालिबफ ने एक्स पर पोस्ट किया, हम भली-भांति जानते हैं कि यथास्थिति का जारी रहना अमेरिका के लिए असहनीय है, जबकि हमने अभी शुरुआत भी नहीं की है। अमेरिका और उसके सहयोगियों की कार्रवाइयों ने जहाजरानी सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी हानिकारक उपस्थिति कम हो जाएगी। मीडिया के मुताबिक यह पता चला है कि अमेरिकी सेना ने दो छोटी सिविलियन कार्गो बोट पर हमला किया था, जो ओमानी तट के साथ खासाब से ईरान की ओर जा रही थीं। हमले में बोट पर सवार पांच सिविलियन मारे गए। इससे पहले सोमवार को एक अन्य फोन इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह कहने से परहेज किया कि ईरान के सोमवार के हमलों ने अमेरिका-ईरान संघर्षविराम का उल्लंघन किया। ट्रंप ने हमलों को कमतर बताते हुए कहा कि यह कोई भारी गोलीबारी नहीं थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ब्रैड कूपर ने सोमवार को पत्रकारों को बताया था कि ईरानी बलों ने कई क्रूज मिसाइलें, ड्रोन और छोटी नावें उन जहाजों पर दागीं जिनकी हम सुरक्षा कर रहे थे। अमेरिकी बलों ने होर्मुज में नागरिक जहाजों को निशाना बनाने वाली छह ईरानी छोटी नावों को डुबो दिया और कई मिसाइलों और ड्रोन को रोक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने बाद में अमेरिकी दावों को खारिज करते हुए कहा कि होर्मुज से कोई भी वाणिज्यिक जहाज या तेल टैंकर नहीं गुजरा है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने तेहरान और अन्य ईरानी शहरों पर संयुक्त हमले किए थे। इसके बाद ईरान ने अमेरिका और इजरायल से जुड़े समुद्री मार्गों पर ईरान ने प्रतिबंध लगा रखा है। कूपर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ईरानी नावों पर यूएस अपाचे और एमएच-60 सीहॉक हेलीकॉप्टरों ने हमला किया. इस बीच, अमेरिकी मीडिया आउटलेट सीबीएस न्यूज ने बताया कि दो अमेरिकी नेवी डिस्ट्रॉयर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे हैं ।

हार्मुज से जहाजों को निकालने का अमेरिकी अभियान दो दिनों के भीतर रुका, ट्रंप ने कहा-नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रोजेक्ट फ्रीडम को फिलहाल रोकने की घोषणा की। यह मिशन हार्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को निकालने के लिए था। ट्रंप ने पाकिस्तान और अन्य देशों से मिले अनुरोधों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया। हालांकि, ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्मुज जलडमरूमध्य में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के शुरू किए गए प्रोजेक्ट फ्रीडम को कुछ समय के लिए रोकने की घोषणा की है। लेकिन ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी पहले की तरह जारी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा है कि 'पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर और ईरान के खिलाफ चलाए गए अभियान में हमारी सेना को मिली जबरदस्त सफलता को देखते हुए—साथ ही इस बात को ध्यान में रखते हुए कि ईरान के प्रतिनिधियों के साथ एक पूर्ण और अंतिम समझौते की दिशा में काफी प्रगति हुई है—हमने आपसी सहमति से यह तय किया है कि, 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' (होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही) को कुछ समय के लिए रोक दिया जाएगा। हालांकि नाकाबंदी पूरी तरह से लागू रहेगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि यह देखा जा सके कि क्या वह समझौता अंतिम रूप ले पाता है और उस पर हस्ताक्षर हो पाते हैं या नहीं। ट्रंप ने रविवार को यह कहते हुए इस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी कि दुनिया भर के देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालइने के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी। इसके बाद सोमवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने यह ऑपरेशन शुरू किया था।

भारत-बांग्लादेश के तीस्ता मामले में दखल दे रहा चीन

ढाका

भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर दशकों से चला आ रहा विवाद अब एक बेहद संवेदनशील और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। जहां एक तरफ भारत इस मुद्दे पर बीच का रास्ता निकालकर कूटनीतिक समाधान की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश ने इस मामले में चीन को शामिल करने के संकेत देकर नई हलचल पैदा कर दी है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि उनकी सरकार तीस्ता नदी परियोजना के लिए चीन द्वारा प्रस्तावित मास्टरप्लान पर बीजिंग के साथ गहन बातचीत कर रही है। ढाका का यह रुख भारत के लिए एक बड़े सुरक्षा अलार्म के रूप में देखा जा रहा है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि यद्यपि वे भारत के साथ तीस्ता समझौते की उम्मीद रखते हैं, लेकिन देश की जरूरतों को देखते हुए वे अधिक समय तक प्रतीक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने खुलासा किया कि चीन ने तीस्ता नदी के प्रबंधन और इसके किनारों के व्यापक विकास के लिए लगभग एक अरब डॉलर की एक भारी-भरकम योजना तैयार की है।

रणनीतिक जानकारों का मानना है कि बांग्लादेश जानबूझकर चाइना कार्ड का इस्तेमाल कर रहा है ताकि भारत पर जल्द से जल्द समझौते के लिए दबाव बनाया जा सके। यह मामला केवल पानी की साझेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़ा है। तीस्ता नदी भारत के चिकन नेक यानी सिलिगुड़ी कॉरिडोर के अत्यंत समीप से बहती है। भौगोलिक रूप से यह गलियारा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष देश से जोड़ने वाला एकमात्र संकरा रास्ता है। यदि चीन तीस्ता प्रोजेक्ट के बहाने इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कराता है, तो उसके इंजीनियरों, श्रमिकों और निगरानी उपकरणों की पहुंच भारत के इस संवेदनशील सीमावर्ती इलाके तक हो जाएगी।

विकास परियोजनाओं के नाम पर चीन की पैठ भारत की सैन्य गतिविधियों और सामरिक बुनियादी ढांचे के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। भारत को डर है कि नागरिक कार्यों की आड़ में चीन इस क्षेत्र में जासूसी और सामरिक हस्तक्षेप बढ़ा सकता है। ऐसे में ढाका का चीन के प्रति बढ़ता झुकाव नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं और पड़ोसी देश के साथ संबंधों के बीच किस तरह संतुलन साधता है, क्योंकि तीस्ता अब केवल एक नदी नहीं, बल्कि एशिया की भू-राजनीति का एक जटिल अखाड़ा बन चुकी है।

बाजार में भीषण आग

तेहरान के एक बाजार में लगी भीषण आग के बाद उठता हुआ धूआं।

सुरक्षा चिंताओं के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला

पेशावर में अपना वाणिज्य दूतावास बंद करेगा यूएस

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा-राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग को ध्यान में रखकर उठाया कदम

वाशिंगटन

अमेरिका ने पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) को चरणबद्ध तरीके से स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। वाशिंगटन द्वारा की गई इस घोषणा के अनुसार, अब इस क्षेत्र से जुड़े तमाम कूटनीतिक और राजनयिक कार्य इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास द्वारा संचालित किए जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर स्पष्ट किया कि यह कदम मुख्य रूप से राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

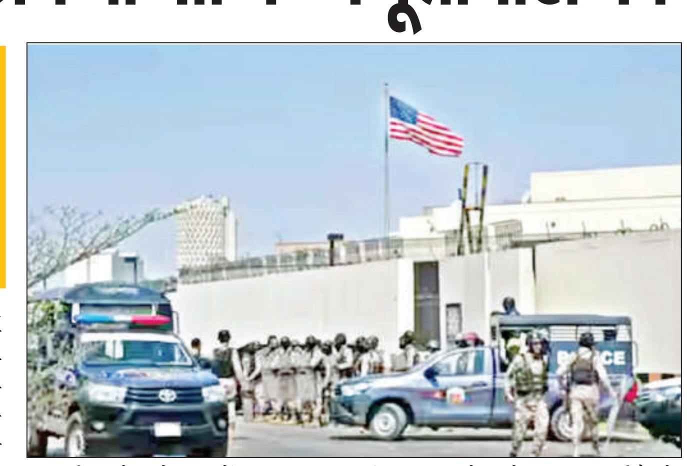

पेशावर का यह क्षेत्र लंबे समय से उग्रवाद, सीमा पार तनाव और आतंकवाद विरोधी अभियानों का केंद्र रहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा से सटे इस प्रांत में सुरक्षा चुनौतियां हमेशा से ही गंभीर रही हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में कहा गया, हम पेशावर स्थित कॉन्सुलेट को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की घोषणा कर रहे हैं। हालांकि हमारी भौतिक उपस्थिति बदल रही है, लेकिन पाकिस्तान और विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा के लोगों के प्रति हमारी नीतियां और प्रतिबद्धता पहले की तरह ही मजबूत रहेंगी। विभाग ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह प्रक्रिया कब तक पूरी होगी या कर्मचारियों की कटौती शुरू हुई है या नहीं। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों का परिणाम है। इससे पहले भी कराची और लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों को सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से बंद किया गया था, लेकिन पेशावर के मामले में इसे स्थायी बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मध्य पूर्व के तनाव और पूर्व में अमेरिकी दूतावासों पर हुए हमलों के मद्देनजर अमेरिका अब अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता। वाशिंगटन ने भरोसा दिलाया है कि इस कूटनीतिक बदलाव के बावजूद वह आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करता रहेगा। अमेरिका अब इस्लामाबाद स्थित अपने मुख्य दूतावास और कराची व लाहौर में सक्रिय वाणिज्य दूतावासों के माध्यम से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाएगा। पेशावर में कॉन्सुलेट का बंद होना दक्षिण एशिया में अमेरिका की कूटनीतिक पहुंच के पुनर्गठन के रूप में देखा जा रहा है।

पाक ने अपने खनन क्षेत्र में अमेरिका को बनाया हिस्सेदार, बीएलए का विरोध

चीन ने जो गलती की थी शायद अब अमेरिका भी वही गलती करने जा रहा

करांची

बलूचिस्तान का मामला सिर्फ स्थानीय शांति तक सीमित नहीं बल्कि इसमें चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच चल रहा खेल खुलकर सामने आ गया है। बलूचिस्तान पहले से अस्थिर रहा है, लेकिन अब यहां की शांति और भी विस्फोटक होती जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने खनन क्षेत्र में अमेरिका को बड़ी हिस्सेदारी देने का फैसला कर लिया है यानी अब वह चीन के साथ-साथ अमेरिका को भी मैदान में उतार कर खेल बदलना चाहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस नई डील की शुरुआत एक बेहद दिलचस्प तरीके से हुई। पिछले साल पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को रत्नों से भरा एक खास तोहफा दिया था। हालांकि इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। यह सिर्फ एक गिफ्ट नहीं था बल्कि एक संकेत था कि बलूचिस्तान की जमीन में छुपे सोने और तांबे के भंडार से अमेरिका अरबों डॉलर कमा सकता है। इसके बाद करीब 1.3 बिलियन डॉलर के निवेश की राह खुली।

बता दें बलूचिस्तान में चीन लंबे वक्त से कई बड़े प्रोजेक्ट चला रहा है। कई सालों तक पाकिस्तान और चीन ने मिलकर इस इलाके में विकास के नाम पर बड़े-बड़े प्रोजेक्ट चलाए। चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए चीन ने यहां भारी निवेश किया और इसे अपने वैश्विक नेटवर्क का अहम हिस्सा बनाने की कोशिश की, लेकिन चीन ने जो गलती की थी शायद अब अमेरिका भी वही गलती करने जा रहा है। चीन बलूचिस्तान में तो घुस गया लेकिन बलोच लोगों से ना तो उसका प्रोजेक्ट सुरक्षित रहा और ना ही उसके इंजीनियर्स। लंबे समय से वहां की बलोच लिबरेशन आर्मी चीन के इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रही है और इस विरोध में कई चीनी इंजीनियर्स और पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं।

वहीं अमेरिका से जिस डील को पाकिस्तान गेम चेंजर मान रहा था अब वो भी हिंसा की आग में फंस चुका है। क्योंकि पिछले एक साल में बलोच लिबरेशन आर्मी ने वहां पर कई बड़े हमले किए हैं। हाल ही में बीएलए ने 12 इलाकों में 18 जगहों को निशाना बनाया था, जिसमें 58 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। ये हमले खासतौर पर उन रास्तों पर हुए जो रिकोडक खदान की तरफ जाते हैं यानी सीधे-सीधे पाकिस्तान के इस बड़े प्रोजेक्ट को चुनौती।

अब हालात यह है कि जिन विदेशी ताकतों को पाकिस्तान यहां लाकर ताकत दिखाना चाहता था। वही अब डरने लगी हैं। बैरिक गोल्ड जैसी कंपनियों ने भी सुरक्षा हालात खराब होने के चलते अपने प्रोजेक्ट धीमे कर दिए हैं। इस पूरे विवाद का एक और खतरनाक पहलू है बदलता हुआ विद्रोह। पहले यह आंदोलन सीमित था लेकिन अब पढ़े लिखे बलोच युवा भी इसमें शामिल हो रहे हैं। उन्हें लगता है कि उनकी जमीन से संसाधन निकालकर बाहरी ताकतों को बेचा जा रहा है। ऊपर से मानवाधिकार उल्लंघन और जबरन गायब किए गए लोगों के आरोप इस आग में और घी डाल रहे हैं। कुल मिलाकर पहले तो पाकिस्तान ने चीन को झटका दिया।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 07 मई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-124

सुवेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या

पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा का दौर जारी

कोलकाता, 06 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के 48 घंटे के भीतर एक चौंकाने वाली घटना में, भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ राठ की बुधवार रात कोलकाता के उत्तरी छोर पर अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे क्षेत्र में तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया और तनाव बढ़ गया।

यह घटना उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम के डोलतला क्षेत्र के डोहरिया में हुई, जहाँ राठ, जो राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के कार्यकारी सहायक के रूप में कार्यरत थे, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों द्वारा पास से गोली मारी गई, सूत्रों ने कहा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने राठ की कार का पीछा किया, उसे रोका, विपरीत दिशा से खिड़की के रास्ते उन पर गोली चलाई और हमले के तुरंत बाद घटनास्थल से फरार हो गए। वह ड्राइवर के बगल में आगे की सीट पर बैठे थे।

राठ के ड्राइवर को भी गोली लगी और उन्हें एक कोलकाता अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहाँ उनकी स्थिति गंभीर बताई गई। स्थानीय समाचार चैनलों ने रिपोर्ट किया कि राठ को गोलीबारी में गंभीर चोटें आईं और उन्हें एक नजदीकी निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें लाते ही मृत घोषित कर दिया, भाजपा के आधिकारिक मीडिया चैनल ने कहा।

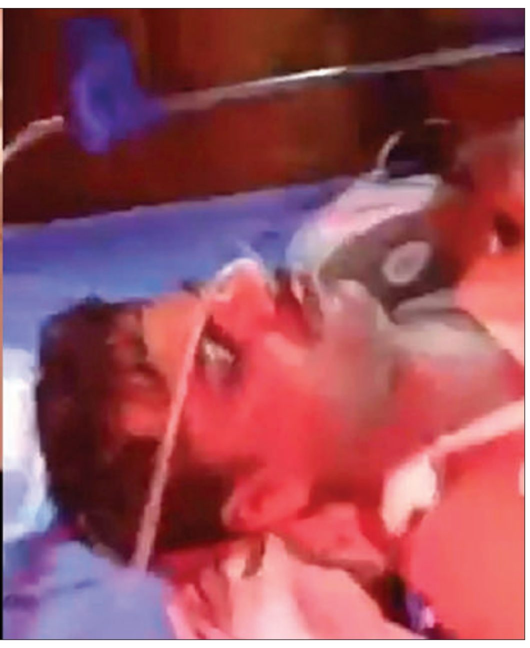

पीड़ित को कई गोली के घावों के साथ मृत लाया गया, जिनमें एक सीने पर थी जो दिल को भेद गई, और एक और गोली पेट के क्षेत्र में थी। उन्हें पुनर्जीवित करने का कोई अवसर नहीं था, एक अस्पताल के डॉक्टर ने कहा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, राठ ने भाजपा नेता के भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ भाजपा नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी को हराया।

एक स्थानीय समाचार चैनल को बयान में, भाजपा नेता और विधायक-चुने गए कौस्तव बागची, जो अस्पताल में मौजूद थे, ने कहा, यह एक लक्षित हमला था। हमलावरों ने राठ की कार का लंबे समय तक पीछा किया इससे पहले कि उन्हें गोलियों से भून दिया। यह ममता और अभिषेक बनर्जी का काम है। हम आरोपियों की पहचान होने तक चैन से नहीं बैठेंगे। हम तब तक शव का दाह संस्कार नहीं करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, अधिकारी अस्पताल जा रहे थे। हम शांति की बात कर रहे थे, लेकिन तृणमूल ने सबसे बड़ी गलती की है, नवनिर्वाचित भाजपा विधायक तरुंज्योति तिवारी ने कहा।

घटना की खबर तेजी से फैल गई, जिससे बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्र में बड़ी पुलिस फोर्स तैनात करनी पड़ी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। सूत्रों ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। इस घटना ने राज्य के राजनीतिक हलकों में सनसनी फैला दी है।

इससे पहले, एक भाजपा कार्यकर्ता की मंगलवार रात राजारहाट-न्यू टाउन में हत्या कर दी गई थी। पीड़ित, मधु मंडल, को तृणमूल कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा पीट-पीटकर मार दिया गया था, ठीक उसके बाद जब भाजपा उम्मीदवार पीयूष कनोरिया ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक कड़े मुकाबले में तापस चटर्जी के खिलाफ 316 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

श्री कनोरिया, जो घटनास्थल पर दौड़े गए, ने कहा: मेरी जीत को चार घंटे भी नहीं हुए थे कि मुझे अपने भाई को श्रद्धांजलि देनी पड़ी। लगभग उसी समय, कोलकाता के केंद्र में खरीदारी के शीर्ष गंतव्य न्यू मार्केट में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा एक मीट की दुकान और एक तृणमूल पार्टी कार्यालय को पुलिस और केंद्रीय बलों के कर्मियों की मौजूदगी में जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया।

तृणमूल राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने एक्स पर इस घटना का एक वीडियो पोस्ट किया और कहा: केंद्रीय कोलकाता में, न्यू मार्केट के पास। पुलिस की अनुमति से। जीत के जश्न के हिस्से के रूप में, एक बुलडोजर लाया गया मीट की दुकानों को ध्वस्त करने के लिए। सीएपीएफ चारों ओर खड़े हैं। यही भाजपा है। दुनिया को ये तस्वीरें दिखने दें। उत्तर 24 परगना के बारासत में, भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा एक पार्क, सिराज उद्यान, का नाम बदलकर शिवाजी उद्यान रख दिया गया। बुधवार सुबह, कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंदा ने बिना अनुमति बुलडोजर के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया और कहा कि अब तक हिंसा के विभिन्न मामलों ▶8पर

बंगाल सीएम का शपथ ग्रहण 9 को

भाजपा ने मुख्य सचिव के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

कोलकाता, 06 मई (एजेंसियां)।

भाजपा के राज्य अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा। एक सुचारु और सम्मानजनक शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां जारी हैं और हम सब कुछ व्यवस्थित रूप से हो इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं,भट्टाचार्य ने कहा।

भट्टाचार्य ने भाजपा के राज्य के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल, ज्योतिर्मय सिंह महतो और सौमित्र खान के साथ मंगलवार शाम मुख्य सचिव दुष्यंत नारीवाला से मुलाकात की और इस आयोजन की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

भाजपा विधायकों की एक बैठक 8 मई को निर्धारित की गई है, जहां नेतृत्व से शपथ ग्रहण से पहले प्रमुख निर्णय अंतिम रूप देने की उम्मीद है।हालांकि राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्रीय चेहरे को लेकर अटकलें लगातार बढ़ रही हैं, राज्य भाजपा अध्यक्ष ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

हालांकि, नबन्ना में राज्य सचिवालय में प्रवेश करने से पहले, भाजपा राज्य अध्यक्ष ने दावा किया कि चुनाव के बाद की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भाजपा के ट्रिनमूलीकरण को लेकर पार्टी के दृढ़ रुख को दोहराया।मीडिया को संबोधित करते हुए, भट्टाचार्य ने कहा, ''यह बड़े पैमाने पर ट्रिनमूल और ट्रिनमूल के बीच की लड़ाई है। कुछ लोग भाजपा का झंडा लेकर ये सब काम कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चुनाव परिणामों के बाद ट्रिनमूल कांग्रेस से भाजपा में तरफ बदलने वालों को पार्टी में जगह नहीं दी जाएगी।

हम अवसरवादी प्रवेशकों को भाजपा की विचारधारा और विरासत को कमजोर करने की अनुमति नहीं देंगे। पार्टी को दशकों की कड़ी मेहनत और बलिदान से बनाया गया है, उन्होंने कहा। यदि कोई भाजपा कार्यकर्ता या नेता हिंसा का सहारा लेते हुए पाया जाता है, तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दिया जाएगा। मैं, राज्य अध्यक्ष होने के नाते, इसके लिए अधिकार रखता हूं, ▶8पर

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना

नयी दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल और असम में शानदार जीत के बाद, नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगान वंदे मातरम को जन गण मन के समान दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी ˉ इन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ˉ के चुनाव परिणामों के बाद मंगलवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में लिया गया। मंत्रियों ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत बताते हुए प्रधानमंत्री को बधाई भी दी।

राष्ट्रीय सम्मान अपमान रोकथाम अधिनियम में संशोधन को मिली हरी झंडी

अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी है ताकि वंदे मातरम को भी उसी कानूनी ढांचे के अंतर्गत लाया जा सके जो वर्तमान में राष्ट्रगान को संरक्षण प्रदान करता है। इसके लागू होने के बाद, वंदे मातरम के गायन के दौरान किसी भी प्रकार का अनादर या बाधा डालना संज्ञेय अपराध माना जाएगा।

राष्ट्रीय ध्वज, संविधान या राष्ट्रगान के अपमान से जुड़े मामलों में दंड का प्रावधान है, जिसमें कारावास, जुर्माना या दोनों शामिल हैं। प्रस्तावित संशोधन वंदे मातरम पर भी इन प्रावधानों को लागू करेगा, जिसका अर्थ है कि उल्लंघन करने पर भी इसी तरह के कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मौजूदा नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति जो जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे बाधित करता है, उसे 3 साल तक का कारावास, जुर्माना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है। बार-बार अपराध करने वालों को कम से कम एक साल की कैद की सजा हो सकती है। उम्मीद है कि संशोधन लागू होने के बाद ये प्रावधान राष्ट्रगान पर भी लागू होंगे। ▶8पर

डील के करीब अमेरिका-ईरान

अनजान इजरायल बोला- हम तो हमले तेज करने वाले हैं

नयी दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका और ईरान एक पेज के समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने के करीब हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को अगले 48 घंटों में ईरान की तरफ से कई अहम बिंदुओं पर जवाब मिल सकता है। हालांकि, अब तक किसी भी बात पर अंतिम सहमति नहीं बनी है। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों समझौते के इतने करीब हैं।

ट्रंप की कड़ी चेतावनी, होर्मुज नहीं खोला तो होगी बमबारी

इस बीच, इजरायली सूत्रों का कहना है कि उसको इस संभावित डील की कोई जानकारी नहीं है। वो अभी भी अगले जंग की तैयारी में लगा हुआ है। इजरायल के ये दावा पूरे घटनाक्रम को

जटिल बना देता है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस मुद्दे पर ट्रंप से बात करेंगे।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और मैं इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि ईरान को लेकर सबसे अहम लक्ष्य यह है कि वहां से सारा एनरिच्ड यूरेनियम हटा दिया जाए। ईरान की परमाणु क्षमताओं को खत्म कर दिया जाए। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कड़े तेवर दिखाए हैं।

ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से नहीं खोला, तो उस पर पहले से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने पर बमबारी की जाएगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Truth Social पर उन्होंने समझौते और चेतावनी के बारे में खुलकर लिखा है।

ट्रंप ने लिखा है, यदि ईरान उन शर्तों पर सहमत हो जाता है जिन पर बातचीत चल रही है, तो एपिक फ्यूरी खत्म हो जाएगा। नाकाबंदी हटने के बाद होर्मुज सबके लिए खुल जाएगा। यदि वे सहमत नहीं होते हैं, तो बमबारी शुरू हो जाएगी। पहले के मुकाबले पैमाने पर होगी।

प्रस्तावित डील की शर्तें और अनिश्चितता

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित डील के तहत ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता जताएगा। इसके बदले अमेरिका उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील देगा और ईरान के अरबों डॉलर के फंड को जारी करने पर सहमत होगा। होर्मुज पर पाबंदियां भी हटाई जा सकती हैं।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस समझौता ज्ञापन में शामिल कई शर्तें तभी लागू होंगी, जब अंतिम बातचीत हो जाएगी।

इसका मतलब यह है कि फिलहाल अनिश्चितता बनी रहेगी और दोबारा तनाव बढ़ने या युद्ध भड़कने की आशंका पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 25^0

दो सियासी दुश्मन आएंगे साथ!

विजय को रोकने एआईएडीएमके और डीएमके मिलाएंगे हाथ?

चेन्नई, 06 मई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में सरकार गठन का पेच फंसता जा रहा है। विजय की टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन तो गई लेकिन बहुमत से दूर रही। कांग्रेस ने समर्थन दिया लेकिन बहुमत का आंकड़ा तब भी नहीं आया। विजय को अभी भी बहुमत जुटाने में एक-दो दिन का वक्त लग सकता है। इस बीच चर्चा है कि तमिलनाडु में विजय को रोकने के लिए दो सियासी दुश्मन हाथ मिला सकते हैं और सरकार बना सकते हैं। दरअसल, विजय के बहुमत के दावे से राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर संतुष्ट नहीं हैं। विजय ने बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात कर 112 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा था। लेकिन सरकार बनाने के लिए 118 का आंकड़ा कैसे हासिल करेंगे, ये बता नहीं सके। ▶8पर

ऑपरेशन सिंदूर का एक साल पूरा

भारत की ताकत ने दुनिया को किया हैरान, डिफेंस सेक्टर में रिकॉर्ड ग्रोथ

नयी दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

क्या एक सैन्य ऑपरेशन किसी देश की अर्थव्यवस्था और डिफेंस इंडस्ट्री को बदल सकता है? जवाब है हां! ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की ताकत को सिर्फ सीमा पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी नई पहचान दी है। एक साल पहले हुए इस बड़े ऑपरेशन ने भारत के हथियारों और तकनीक की असली क्षमता दुनिया को दिखा दी थी। अब इसका असर साफ दिख रहा है। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहा है, ब्रह्मोस और आकाश जैसे सिस्टम की डिमांड बढ़ गई है और भारतीय ड्रोन दुनिया में चर्चा का विषय बन गए हैं। आइए समझते हैं कैसे यह ऑपरेशन भारत की ताकत का

नया चेहरा बन गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के रक्षा निर्यात में 62% से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 23,622 करोड़ रुपये के हथियार और सैन्य तकनीक का निर्यात किया था, जबकि अगले एक वर्ष में यह आंकड़ा बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। भारत अब 80 से ज्यादा देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहा है। इसके साथ ही देश में रक्षा उत्पादन कंपनियों की संख्या में भी लगभग 13% की वृद्धि हुई है, जो इस सेक्टर की मजबूती को दिखाता है।

आमतौर पर युद्ध को सिर्फ नुकसान के नजरिए से देखा जाता है, लेकिन यह हथियारों की क्षमता का असली टेस्ट भी होता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय हथियारों और तकनीक ने शानदार प्रदर्शन किया। इस सीमित टकराव ने यह साबित किया कि भारत की स्वदेशी तकनीक अब वैश्विक स्तर की हो चुकी है। ▶8पर

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं।

इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है।

यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, 'तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उडा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुडाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता हनुमान विनम्रता से कहते हैं, 'क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। ''राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं। हनुमान जी को सिंदूर क्यों रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है। माता जानकी ने हनुमान की इस भोली उत्सुकता पर कहा, 'पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढाया जाने लगा।

रामकथा सुनते हैं हनुमान माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है। हनुमान ने हदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय

जब हम किसी पर आस्था और विश्वास रखते हैं, तब पकृति भी उन मनोकामनाओं को पूरा करने में उसी राह पर चलने लगती है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी कई विधियां बताई गई हैं यदि आप इन पर पूरी आस्था के साथ विश्वास रखते हैं तो यह जरूर पूरी होती हैं। बुद्धि की इच्छा हम सभी की चाह होती है। विद्यार्थी देवी सरस्वती और भगवान गणेश से बुद्धि का वर मांगते हैं। और वो उन्हें देते हैं। लेकिन ज्योतिष में बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय बताए गए हैं। जिन्हें पूरी श्रद्धा से आजमाकर आप भी बुद्धिमान बन सकते हैं प्रात: दैनिक कार्यों से निवृत होकर पूजा स्थान में जाएं और एक माला गायत्री मंत्र 'ऊं भूर्भुव: स्व: तत्सवितुवरिण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात' का रोज जप करें। पूजा स्थल में जाकर रामचरित मानस की इस पंक्ति को 108 बार जपें 'गुरु गृह गये पठन रघुराई, अल्पकाल विद्या सब आई'। गुरुवार के दिन देवी सरस्वती की मूर्ति या चित्र के सामने या फिर अपने अध्ययन कक्ष में रोज 'ऊं मां सरस्वती विद्या देवी नमो नम:' का स्मरण करें। गुरुवार के दिन गरीब बच्चे को पुस्तक, कॉपी, पैंसिल आदि दान करें। काली मिर्च, सोंठ, इलायची और चीनी मिलाकर पीसकर चूर्ण बनाएं और इसे घी में मिलाकर गोलियां बनाएं और प्रतिदिन दो गोली रात्रि को सोते समय दूध के साथ लें। स्मरण शक्ति के साथ एकाग्रता भी बढेगी।

राम नाम से ही दूर होते कष्ट

चैत्र की नवमी तिथि भगवान श्री राम के जन्म की तिथि है। 'नवमी तिथि मुधमास पुनीता/ शुक्ल पक्ष अभिजीत हरि प्रीता अर्थात नवमी तिथि को अभिजीत नक्षत्र में भगवान का अवतरण हुआ था। त्रेतायुग में भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतरित होकर राक्षसी प्रवृत्तियों का संहार किया था। अपने चरित्र और मर्यादा पालन के कारण श्री राम इस संसार के लिए अनुकरणीय हैं। उन्होंने ब्रहम होकर भी कभी नहीं कहा कि वे ब्रहम हैं। उन्होंने संसार के सामने आदर्श चरित्र का उदाहरण प्रस्तुत किया और इसलिए वे युगों का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीराम की स्तुति हमारे अमंगल का हरण करने वाली और मंगल करने वाली है। श्री राम के नाम की महत्ता के विषय में शास्त्रों में एक कथा आती है कि एक बार भगवान शिव कैलाश पर्वत पर ध्यान मग्न बैठे थे। उन्हें इस तरह बैठा मां पार्वती ने पूछा- प्रभु, सारा संसार तो आपका ध्यान करता है फिर आप किसके ध्यान में बैठे हैं। तब शिव बोले- मैं राम का स्मरण कर रहा हूं, जिनका नाम ही परम सुखदायक है। वर्णन आता है कि उन्होंने मां पार्वती से कहा- 'श्री राम राम रामेति रमे रामे मनोरमै/ सहस्त्रनामा तत्तुल्यं राम नाम वराननै। अर्थात हे पार्वती श्रीराम को जपने से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

अभिजीत नक्षत्र में प्रभु राम की अवतरण को सभी जगह उल्लास के साथ मनाया जाता है। विद्वान मानते हैं कि दोपहर 11.45 से 12 तक अभिजीत नक्षत्र रहता है और इसी समय रामनवमी पर प्रभु के प्राकट्य का उत्सव मनाना श्रेयस्कर है। श्रीराम के स्मरण मात्र से ही सभी तरह के क्लेश का नाश हो जाता है। राम रक्षा स्रोत का पाठ असहाय स्थिति में हमारी रक्षा करता है। यह सभी तरह के संकटों से हमें उबारता है।

सुखी जीवन का मूलमंत्र

जापान के सम्राट यामातो का एक राज्यमंत्री था। जिसका नाम था 'ओ-चो-सान'। उसका परिवार सौहार्द के लिए बडा प्रसिद्ध था। हालांकि उसके परिवार में लगभग एक हजार सदस्य थे, पर उनके बीच एकता का अटूट संबंध था। सभी सदस्य साथ-साथ रहते और साथ-साथ ही खान खाते थे। फिर उनमें द्वेष कलह की बात ही कहां ओ-चो-सान के परिवार के सौहार्द की बात यामातो के कानों तक पहुंची। सत्यता की जांच करने के लिए एक दिन वे स्वयं वृद्ध मंत्री के घर तक आ पहुंचें।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत बन चुका है आदर्श नारीत्व का प्रतीक

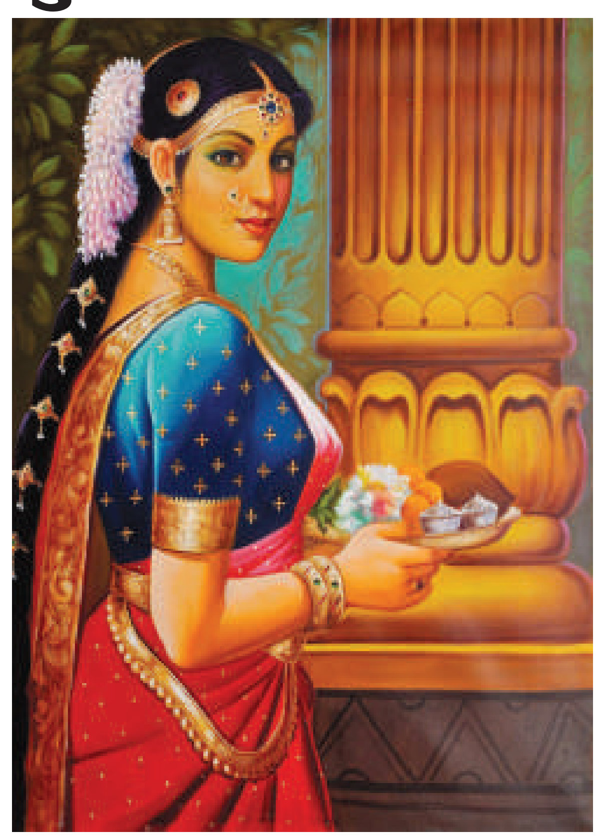

मूलत: यह व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों का है, फिर भी सभी प्रकार की स्त्रियां (कुमारी, विवाहित, विधवा आदि) इस व्रत को करती हैं। इस व्रत को करने का विधान त्रयोदशी से पूर्णिमा या अमावस्या तक है। इस दिन वट (बड, बरगद) का पूजन होता है। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगल कामना से करती हैं। वट सावित्री व्रत सौभाग्य को देने वाला और संतान की प्राप्ति में सहायता देने वाला व्रत माना गया है।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। इस व्रत की तिथि को लेकर भिन्न मत हैं। स्कंद पुराण तथा भविष्योत्तर पुराण के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को यह व्रत करने का विधान है, वहीं निर्णयामृत आदि के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या को व्रत करने की बात कही गई है।

व्रत का विधान

प्रात: काल स्नान आदि से निवृत होकर बांस की टोकरी में रेत भर कर ब्रहमाजी की मूर्ति की स्थापना करें। ब्रहमाजी के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें। इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान की मूर्तियों को स्थापना करके टोकरियों को वट वृक्ष के नीचे ले जाकर रखना चाहिए। ब्रहमाजी और सावित्री के पूजन के पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बरगद की जड में पानी देना चाहिए। पूजा के लिए जल, कलावा(रक्षासूत्र), रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप होने चाहिए। जल से वटवृक्ष को सींच कर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेट कर तीन बार परिक्रमा करें। अब भीगे हुए बायना निकाल कर, नगद रुपए रख कर सासुजी के चरण स्पर्श करें। यदि सास दूर हो तो बायना वहां भेज देना चाहिए। पूजा के बाद गरीबों, भूखों और ब्रहमणों को दान दें।

इसीलिए कहते हैं तुलसी को विष्णु-प्रिया

कार्तिक शुक्ल की एकादशी को तुलसी पूजन का विधान है। इस वर्ष यह पर्व 3 नवंबर को है। तुलसी पूजन का पर्व पूरे उत्तर भारत में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। तुलसी को विष्णु-प्रिया के नाम से भी जाना जाता है। तुलसी का पौधा भारतीयों के लिए गंगा-यमुना के समान पवित्र है।

व्रत की कथा

प्राचीन काल में जालंधर नाम का दैत्य था। उसने सारे संसार में उत्पात मचा रखा था। दैत्य की वीरता का रहस्य था उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रत धर्म। कहा जाता है कि उसी के प्रभाव से वह विजेता बनता था। दैत्य के उत्पातों से परेशान होकर ऋर्षि-मुनि भगवान विष्णु के पास पहुंचे। भगवान विष्णु ने काफी सोच विचार कर वृंदा का पतिव्रत धर्म भंग करने का निश्चय किया। उन्होंने योगमाया द्वारा एक मृत शरीर वृंदा के घर के बाहर फिकवा दिया। माया का पर्दा होने से वृंदा को अपने पति का शव दिखाई दिया। अपने पति को मृत जानकर वह उस मृत शरीर पर गिरकर विलाप करने लगी। उसी समय एक साधु उसके पास आए और कहने लगे बेटी इतना विलाप मत करो। मैं इस मृत शरीर में जान डाल देता हूं। साधु ने मृत शरीर में जान डाल दी। भावों में बहकर वृंदा ने उस शरीर का आलिंगन कर लिया। बाद में वृंदा को पता चला कि यह तो भगवान का छल-कपट है जबकि उसका पति देवताओं से युद्ध कर रहा था और वृंदा का सतीत्व नष्ट होते ही वह देवताओं द्वारा मारा गया। इस बात का जब वृंदा को पता चला तो उसने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि, जिस प्रकार आपने छल से मुझे पति वियोग दिया है।

उसी तरह आपको भी स्त्री वियोग सहने के लिए मृत्युलोक में जन्म देना होगा। यह कहकर वृंदा अपने पति की अर्थी के साथ सती हो गई। विष्णु अब अपने छल पर बडे लज्जित हुए। माता पार्वती ने वृंदा की चिता-भस्म में आंवला, मालती व तुलसी के पौधे लगाए। भगवान विष्णु ने तुलसी को ही वृंदा का रूप समझा।

इस घटना के बाद त्रैतायुग में भगवान विष्णु ने भगवान राम के रूप में अवतार लिया और सीता के वियोग में कुछ दिनों तक रहना पडा।

वैवाहिक सुख शांति के लिए 6 वास्तु टिप्स

अगर आपकी वैवाहिक जिंदगी अच्छी तरह से नहीं चल रही है तो इसका सीधा प्रभाव आपके प्रोफेशन पर आता है। वैवाहिक जीवन में सुख शांति के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। यह उपाय आपने शयन कक्ष और आपके बेड पर आजमा सकते हैं।

हमेशा दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण बेडरूम में ही शयन करें। शयन कक्ष प्रकाश और आंखों को प्रिय लगने वाले रंगों से पेंट किया हो। बिस्तर पर एक गदे का प्रयोग करें। लकडी पलंग वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ माना गया है। शयन का पलंग चौकोर या आयताकार होना चाहिए। आप बेडरूम में ताजा फूल रख सकते हैं।

2017-18 को छोड 2080 तक 15 को ही संक्रांति

उज्जैन के पंचांग विशेषज्ञों के अनुसार मकर संक्रांति करीब 100 साल बाद इस बार 15 जनवरी को मनाई जा रही है। वजह यह है कि पृथ्वी हर साल 50 विकला (यानी 20 मिनट) पीछे रह जाती है। 65 से 100 साल के बीच यह अंतर 24 घंटे का हो जाता है। यही वजह है कि अब 2080 तक संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाएगी।

लीप ईयर के कारण दो साल क्रम बदलेगा और 2017-18 को संक्रांति फिर 14 जनवरी को होगी, क्योंकि साल के दिन घटने से सूर्य पुरानी स्थिति में आ जाएगा। दिन बडे क्यों गणना के अनुसार संक्रांति के दिन से सूर्य उत्तरायण होते हैं, इस कारण दिन बडे होने लगते हैं। हालांकि वैज्ञानिक तर्क है कि 21 दिसंबर से दिन बडा और रात छोटी होने लगती है।

पौराणिक मान्यता महाभारत युद्ध में घायल भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने के बाद शरीर त्यागा था। मान्यता है कि उत्तरायण में देह त्यागने वाली आत्मा कुछ काल के लिए देवलोक चली जाती है या उसे जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है।

गंगा का अवतरण संक्रांति के दिन ही गंगा नदी का अवतरण धरती पर हुआ। इसलिए इस दिन को पावन माना जाता है। इसका संबंध ऋतु परिवर्तन से भी है। संक्रांति से तापमान बढने लगता है। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक तिल-गुड में कैल्शियम और आयरन होता है जो पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ स्टेमिना भी बढाता है। धार्मिक महत्व तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के पसीने से मानी जाती है, जबकि गुड खाने से शनि प्रसन्न होते हैं। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर का स्वामी शनि है। तिल-गुड खाने से सूर्य नारायण व शनि की खुशी प्राप्त होती है।

संक्रांति के मुहूर्त

विशेष पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सुबह 11.27 बजे तक।

सामान्य पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सूर्यास्त (शाम 6.00) तक।

परिस्थितियां बदलती हैं हमेशा

एक बार भगवान बुद्ध कहीं जा रहे थे। वह पैदल यात्रा कर रहे थे, इस कारण थक कर एक पेड के नीचे बैठ गए। उनके साथ उनके अन्य शिष्यों के साथ आनंद भी मौजूद थे। भगवान बुद्ध ने कहा, 'आनंद यहां नजदीक एक झरना है, वहां से जल ले आओ।' आनंद झरने के पास पहुंचा, लेकिन वहां गंदा पानी बह रहा था। उन्होंने पानी भरना ठीक नहीं समझा। वह थोडा देर रुके और पानी साफहो गया। उन्होंने साफपानी कमंडल में भरा। और बुद्ध के पास चल दिए। उन्होंने सारा घटनाक्रम तथागत को सुनाया। तब बुद्ध ने कहा, 'आनंद प्रकृति को देखो, परिस्थिति को नहीं। परिस्थिति बदल जाती है, लेकिन प्रकृति स्थिर रहती है। जैसा कि तुमने देखा किस तरह झरने का गंदा जल थोडी देर बाद स्वच्छ हो गया।'

संक्षेप म ेंमनुष्य की भी यही स्थिति है। झरने के पानी की तरह मनुष्य भी बदलता है। मनुष्य हमेशा अपने स्वभाव के अनुरूप वहीं नहीं रहता बल्कि वह बदलता है। यही सनातन नियम है।

जैन धर्म की व्यापकता और दर्शन का श्रेय भगवान महावीर को

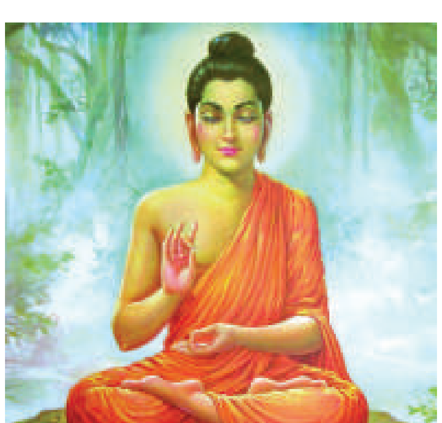

लगभग 2500 वर्ष पहले अहिंसा और सहिष्णुता की शिक्षा देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत और आदर्श वर्तमान संदर्भों में और सभी के लिए प्रासंगिक हैं। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रहमचर्य और अस्तेय आदि अनेक उपदेशों को अपनाकर आज भी रामराज्य की स्थापना की जा सकती है। वर्धमान महावीर का जन्मदिन महावीर जयंती के रुप में मनाया जाता है। वर्धमान महावीर जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान आदिनाथ की परंपरा में चौबीस वें तीर्थंकर हुए थे और उनका जीवन काल 511 से 527 ईस्वी ईसा पूर्व तक माना जाता है। उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर में हुआ था। महावीर के पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिसला था। उनका जन्म हिन्दू कैलेंडर के चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को हुआ था। पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया था। भगवान महावीर कठोर तप से अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामन माना गया और इस वजह से उन्हें महावीर कहा गया तथा उनके अनुयायी जैन कहलाए।

जैन धर्म ग्रंथों में उल्लेख है कि महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थायी आधार दिया। उन्होंने श्रद्धा एवं विश्वास के जरिए जैन धर्म की पुन: प्रतिष्ठा की । इसीलिए आधुनिक काल में जैन धर्म की व्यापकता और उसके दर्शन का श्रेय महावीर स्वामी को दिया जाता है। महावीर स्वामी को अर्हत, जिन, निग्रर्थ, अतिवीर आदि नामों से भी जाना जाता है। उन्होंने लोगों को जिओ और जीने दो के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने घोर तपस्या से अपनी इंद्रियों पर विजय हासिल की ली थी। इस पर्व को तप से जीवन पर विजय प्राप्त करने का पर्व भी कहा जाता है। भगवान महावीर के समय में समाज व धर्म में अनेक विषमताएं थी। ऐसे में उन्होंने आडंबरों से घिरे धर्म और अत्याचार से पीडित समाज को नवजीवन दिया। उन्होंने कुरीतियों एवं अंधविश्वासों को दूर करने के साथ धर्म की वास्तविकता को स्थापित कर सत्य एवं अहिंसा पर बल दिया। भगवान महावीर के सिद्धांतों में अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, आत्म स्वातंर्त्य शामिल है।

उपदेशों से समाज कल्याण महावीर जी ने अपने उपदेशों द्वारा समाज का कल्याण किया। उनकी शिक्षाओं में मुख्य बातें थी कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो। इसके अतिरिक्त उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति, तथा छ: आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया। जो जैन धर्म के प्रमुख आधार हुए उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

फोन को ऐसे बनाएं अपने कंप्यूटर का माइक्रोफोन

कंप्यूटर से वीडियो या वॉयस चैट का शौक रखते हैं मगर महंगे माइक्रोफोन की वजह से अपने शौक का गला घोट देते हैं। जबकि आप अपने फोन को कंप्यूटर का माइक्रोफोन बना सकते हैं। इसके लिए गूगल प्ले स्टोर से एप डाउनलोड करना होगा। आइए जानते हैं कैसे करें इस्तेमाल...

फोन और कंप्यूटर में इंस्टॉल हो एप : कंप्यूटर में यह फीचर पाने के लिए फोन में डï ख्रद्बद एप और कंप्यूटर में 'वो माइक' ड्राइवर इंस्टॉल करना जरूरी होगा। ध्यान रहे कि इस ड्राइवर को कंप्यूटर में इंस्टॉल करते समय इंटरनेट कनेक्शन का होना जरूरी है। इसके बाद फोन को कंप्यूटर से कनेक्ट करने के लिए दो तरीकों का प्रयोग किया जा सकता है।

यूएसबी से ऐसे करें कनेक्ट : पहले मिक एप को खोलें उसके बाद एप की सेटिंग के विकल्प में जाएं। यहां आपको ट्रांसपोर्ट का विकल्प मिलेगा। इसमें दिए गए यूएसबी विकल्प का चुनाव करें। हालांकि इसमें यूएसबी डिबगिंग का फीचर ऑन रखें जिसे फोन की सेटिंग में जाकर ऑन करना होता है। इसके बाद दोबारा होम स्क्रीन पर आएं और अपने फोन को यूएसबी से कंप्यूटर से कनेक्ट करें। इसके बाद कंप्यूटर में मौजूद वो माइक सॉफ्टवेयर खोलें जिसमें तीन तीन विकल्प दिखाई देंगे और उनमें से 'कनेक्शन' विकल्प पर क्लिक करें। कनेक्शन के बाद यूएसबी का विकल्प आएगा, उसका चुनाव कर 'ओके' बटन दबा दें। कुछ सेकेंड इंतजार करने के बाद आप अपने एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर अपने कंप्यूटर पर रिकॉर्डिंग व चैटिंग कर सकते हैं।

जानें किसी और ने तो नहीं खोल रखा है फ़ेसबुक अकाउंट

फ़ेसबुक यूजर को अक्सर इस बात की चिंता सताती है कि कहीं कोई और तो उनके अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। कई बार तो यूजर किसी दूसरे शख्स के कंप्यूटर पर फ़ेसबुक चलाने के बाद अकाउंट से लॉग-आउट करना ही भूल जाते हैं। फ़ेसबुक की 'सेटिंग्स' में इन दोनों ही समस्याओं का हल मौजूद है। यूजर को अपने फ़ेसबुक पेज पर दाईं तरफ ऊपर दिए गए एरो पर क्लिक करना होगा। इससे फ़ेसबुक की 'सेटिंग्स' खुल जाएगी। उसमें जाकर 'सिक्योरिटी' के विकल्प को चुनें। यहां आपको 'वेयर यू आर लॉग्ड-इन' लिखा नजर आएगा। इस पर क्लिक करके आप आसानी से जान सकेंगे कि आपके फ़ेसबुक अकाउंट में कब, किस जगह से कितनी देर के लिए किन-किन सिस्टम के जरिए लॉग-इन किया गया है। अगर आपके अकाउंट में अन्य सिस्टम से भी लॉग-इन किए जाने की जानकारी सामने आती है तो फौरन उसके बगल में दिए 'एंड एक्टिविटी' के विकल्प पर क्लिक कर दें। आपका अकाउंट उस सिस्टम से लॉग-आउट हो जाएगा।

ब्रेन स्ट्रोक : अच्छा है समय पर संभल जाना

ब्रेन स्ट्रोक या ब्रेन अटैक की स्थिति में मरीज को तुरंत इमरजेंसी केयर की जरूरत होती है। बेहतर यही है कि स्वस्थ रहते ही इससे बचे रहने के लिए सही जीवनशैली अपनाई जाए और लक्षण दिखने पर चिकित्सकीय सहायता लेने में देर न की जाए।

यदि मस्तिष्क के किसी भाग में खून का संचार बाधित हो जाए, तो मस्तिष्क के सामान्य कार्यों में बाधा आ जाती है। इस स्थिति को स्ट्रोक या ब्रेन अटैक कहा जाता है। इसमें अर्जेंट मेडिकल अटेंशन की जरूरत होती है। यह स्ट्रोक मस्तिष्क में रक्त का संचार करने वाली किसी रक्तवाहिका में ब्लॉकेज होने से या रक्त का रिसाव होने से हो सकता है।

अलग-अलग प्रकार के स्ट्रोक

जब मस्तिष्क की किसी रक्तवाहिका में खून का थक्का जमने से स्ट्रोक होता है, तो उसे सेरेब्रल थ्रॉम्बोसिस कहते हैं। एक होता है सेरेब्रल हैमरेज यानी जब मस्तिष्क की कोई रक्तवाहिका फट जाती है और आसपास के ऊतकों में खून का रिसाव होने लगता है। इससे एक तो मस्तिष्क के विभिन्ना भागों में खून का प्रवाह कट जाता है। दूसरे, लीक हुआ खून मस्तिष्क पर दबाव डालता है। सेरेब्रल एम्बोलिज्म से भी ब्रेन अटैक आता है।

इस अवस्था में शरीर के किसी अन्य भाग में खून का थक्का बनता है और फिर वह रक्त के बहाव के साथ मस्तिष्क में पहुंच जाता है। इन सभी अवस्थाओं वाले स्ट्रोक का परिणाम एक ही है कि रक्त संचरण बाधित होने से मस्तिष्क को ऑक्सीजन और पोषण मिलना बंद हो जाता है तथा उसमें फैले न्यूरॉन्स तेजी से मरने लगते हैं।

मस्तिष्क के जिस भाग में क्षति हुई है, उससे संबंधित शरीर का अन्य भाग नाकाम हो जाता है, जैसे कि पक्षाघात (पैरालिसिस) हो जाना। इसलिए ब्रेन स्ट्रोक आते ही तुरंत मरीज को चिकित्सकीय सहायता मिलना चाहिए ताकि क्षति कम हो।

जान बचाना पहली प्राथमिकता

तुरंत चिकित्सकीय सहायता में चिकित्सक आवश्यक दवा व अन्य ट्रीटमेंट देंगे। अच्छी नर्सिंग केयर से मरीज की हालत ज्यादा बिगड़ने से बच सकती है। इमरजेंसी ट्रीटमेंट के बाद भी रीहैबिलिटेटिव थैरापीज जैसे फिजियोथैरापी, स्पीच थैरापी आदि की जरूरत होती है। ये सब जान बचाने के बाद की बातें हैं। सडन स्ट्रोक से व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है।

स्ट्रोक के कारण हुआ नर्व डैमेज स्थायी भी हो सकता है। इसलिए स्वस्थ रहते ही सावधानी रखना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और लक्षण दिखते ही तुरंत चिकित्सकीय सहायता के लिए पहुंचना जरूरी है।

ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण

इन लक्षणों से पहचाना जा सकता है कि व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक हुआ है:

- शरीर में अचानक बेहद कमजोरी और शरीर का एक तरफ का हिस्सा अशक्त महसूस होना
- बेजान-सा एहसास (नम्बनेस)
- कंपकंपी, ढीलापन, हाथ-पैर हिलाने में नियंत्रण का अभाव
- नजर का धुंधलाना, एक आंख की दृष्टि जाना
- जुबान का अचानक तुतलाने, लड़खड़ाने लगना
- दूसरे क्या कह रहे हैं, यह सहसा समझ न पाना
- जी मितलाना, उल्टी, चक्कर आना
- अचानक गंभीर सिरदर्द
- यदि स्ट्रोक गंभीर है, तो व्यक्ति बेहोश भी हो सकता है।

यूं करें बचाव

स्ट्रोक से बचने के लिए सामान्य जीवनशैली में भी कुछ चीजें याद रखना चाहिए, जैसे:

- सिगरेट न पीना
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखना। समय-समय पर रक्तचाप की जांच कराना व डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयों को नियमित रूप से लेना
- वजन बढ़ने न देना
- नमक कम खाना
- हैल्दी डाइट और नियमित व्यायाम
- ब्लड शुगर पर ध्यान देना
- कोलेस्ट्रॉल को न बढ़ने देना।

जीवन में होना है सफल तो इन 5 बातों का रखें पूरा ख्याल

ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं होगा जो जीवन में सफल होना नहीं चाहता। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यही है कि ऐसा क्या किया जाए कि सफलता के नज़दीक पहुंचा जा सके। यूनानी विचारक अरस्तू के मुताबिक सफल सब होना चाहते हैं लेकिन उसके लिए सही दिशा में मेहनत कितने लोग करते हैं? हम आज आपको बताने वाले हैं सफलता के वो 5 मंत्र जिन्हें अपना कर आप कुछ ही दिनों में कार्यक्षेत्र में अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

टालमटोल को कह दें बाय-बाय

काम टालने की आदत या दूसरे शब्दों में कहे तो आलस आपको असफलता की राह पर ले जाता है। किसी काम को करने के लिए अगर किसी से विचार-विमर्श करना जरूरी है और इस कारण से देर हो रही है, तब तो ठीक है लेकिन काम न करने की वजह ये नहीं है तो काम को तय समय के भीतर करने की आदत डालें। अगर आपका कोई काम करने का मन नहीं है तो उसे करने के लिए हां नहीं कहें और स्पष्ट रूप से उसे नहीं करने की वजह सामने वाले को बता दें।

मैनेजमेंट स्किल पर काम करें

एक मशहूर कंपनी के सीईओ से जब मैनेजमेंट को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि यह दुनिया दो प्रकार के लोगों की है, एक वे जो हर कार्य को पहले से सोच-समझकर और नियोजित तरीके से पूरा करते हैं और दूसरे वो जो काम नहीं करते। इसका मतलब ये कि बिना योजना के काम करना उसे न करने के बराबर है। ऐसे लोगों की जिंदगी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। प्लान बनाकर काम करने से न सिर्फ ऑफिस बल्कि पर्नल लाइफ में भी सुधार होता है।

सलाह लेना न भूलें

अपने सहयोगियों या सीनियर्स से सलाह लेने में किसी तरह का संकोच न करें। अगर आपको सलाह लेने में दिक्कत महसूस होती है तो आपको अब सुधर जाना चाहिए। अगर किसी कार्य के संदर्भ में आपको कोई बात समझ नहीं आ रही है या आपके मन में दुविधा उत्पन्न हो रही है तो बेहतर यही होगा कि आप अपने साथियों से सलाह मशविरा कर सकते हैं। हालांकि इस संदर्भ में यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि सलाह हमेशा ऐसे लोगों से लें जो सही सलाह देते हों। नकारात्मक विचारों वाले लोगों से सलाह लेने से बचें।

असफलता की जिम्मेदारी लें, दोष न दें

समय का दुरुपयोग करना या अपने काम में रुचि न लेना असफलता की राह पर ले जाने वाले कारक हैं। असफल लोगों की यह खास आदत होती है कि वे अपनी असफलता का दोष हमेशा दूसरों पर मढ़ने लगते हैं। कॅरियर काउंसलर्स का कहना है कि किसी भी कार्य में गलती होने या असफल होने पर उसका दोषारोपण दूसरों पर करना ठीक नहीं होता है। कारण, किसी न किसी दिन आपकी पोल खुल ही जाएगी, तब आपके पास किसी भी प्रकार का कोई बहाना नहीं होगा। इसलिए अगर किसी कार्य को पूरा करने में आपसे कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है।

पॉजिटिव एटीट्यूड होना बेहद ज़रूरी

अगर आप हमेशा नकारात्मक सोचते रहते हैं तो अपनी सोच की दिशा बदलें और हर चीज के बारे में सकारात्मक सोचें। अपने हर दिन की शुरुआत इस सोच के साथ करें कि मुझे अपने कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी और आप अपने लिए निर्धारित कार्यों को ईमानदारी से पूरा करेंगे। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सकारात्मक सोच रखने से आपकी जिंदगी खुशहाल रहती है और आप हमेशा हर हाल में खुश रह सकती हैं। यही नहीं सकारात्मक सोच का असर यह होता है कि विपरीत स्थितियों में भी आप सही निर्णय ले पाती हैं।

नाश्ते में पोहा खाने के हैं अनेको लाभ, जानिए

पोहा इसके बारे में कौन नहीं जानता हैं। यह एक टेस्टी रेसिपी होती हैं। कूटे हुए चपटे चावल को पोहा कहा जाता है। जिसे आसानी से बनाया जा सकता हैं। पोहा में भरपूर मात्रा में आयरन और कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है जो कि आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। साथ ही इसे आसानी से पचाया जा सकता हैं। लेकिन आप ये बात जानते है कि पोहा हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद हैं। इसका सेवन करने से हमें कई लाभ मिलते है।

अगर आप इसका सेवन ब्रेकफास्ट के समय करेंगे। तो इसका फायदा कई गुना बढ़ जाता हैं। जानिए इसका सेवन करने के **फायदो के बारें में।**

एनीमिया से दिलाएं निजात

पोहा में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता हैं। जिससे कि शरीर को आयरन और कोशिकाओं को ऑक्सीजन मिलता है। जिसके कारण शरीर में हीमोग्लोबिन और इम्यूनिटी बढती हैं। अगर किसी बच्चे को मां का दूध छुड़वाना है, तो उसे नरम पोहा खिलाना शुरु कर सकते हैं। इससे उसे पोषण भी मिलेगा।

भरपूर मात्रा में पोषक तत्व

पोहा में अधिक मात्रा में सब्जियां इस्तेमाल की जाती है। जिसके कारण इसमें भरपूर मात्रा में खनिज, विटामिन और फाइबर पाया जाता हैं। अगर आप इसमें सोयाबीन, सूखे मेवे और अंडा आदि मिला देते है, तो इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन भी प्राप्त हो जाती है।

अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट

पोहे में भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। जिसका सेवन करने से आपके शरीर को ऊर्जा और कई बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलेगी।

कम मात्रा में होता है ग्लूटेन

अगर किसी चीज में अधिक मात्रा में ग्लूटेन होगा और उसका सेवन करने से आपको पेट संबंधी कई समस्याएं हो सती हैं। इसलिए इसका सेवन करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। क्योंकि इसमें बहुत ही कम मात्रा में ग्लूटेन होता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद

अगर आपके घर में कोई डायबिटीज का मरीज है, तो उसे पोहा खाने को दे। इससे कम भूख लगती हैं। साथ ही ब्लड प्रेशर भी ठीक रहता हैं। इसके साथ ही आप जंक फूड और मीठे खाने से बच सकते हैं।

गेंदे के फूल के भी है कई लाभ

गेंदे के फूल वैसे तो बहुत से काम में इस्तेमाल होते है। खासकर शादी और त्यौहार पर गेंदे के फूल सजावट के रूप में भी लिए जाते हैं। वही गेंदे का फूल सौन्दर्य के लिए भी काफी फायदेमंद है। जानते हैं इसके कुछ फायदे के बारे में।

अगर घर में मच्छरों को कम या दूर करना हो तो घर के आसपास गेंदे की झाड़ियाँ लगाएं। इसकी गंध से मच्छर दूर भागते हैं।

शरीर के किसी हिस्से में सूजन आ जाने पर इन फूलों को पीसकर पेस्ट बनाकर लगाने लाभकारी होता है।

यह चेहरे के मुहासे को दूर करता है। मुहासे पर जलन होना स्वाभाविक है। इससे निजात पाने के लिए गेंदे से बने प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें। गेंदे के फूलों से बनने वाले तेल से चेहरे की मालिश करने पर रक्त परिसंचरण में सुधार होता है। साथ ही गेंदे के तेल से मालिश करने से त्वचा में निखार आता है। गेंदे के सूखे फूल को लेकर तीन कप पानी में मिलाये। एक घण्टे बाद फूलों को निकाल ले। उसके बाद पानी ठंडा करके बालो में उपयोग करें ये बालो के लिए कंडीशनिंग का काम करेगा

घर एक मंदिर की तरह होता है

घर एक मंदिर की तरह होता है। अगर उसमें रहने वाले सदस्य रोज आपस में ही झगड़ते रहें तो यह मंदिर अपवित्र होने लगता है। इसके कई कारण हो सकते हैं, पर सबसे बड़ा कारण है। घर में नकारात्मक ऊर्ज़ा का प्रवेश होना।

घर में सकारात्मक ऊर्ज़ा का प्रवेश कैसे हो ? इसके लिए हम कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें आप आजमाते हैं तो ज़ाहिर है आप के घर में सकारात्मक ऊर्ज़ा का प्रवेश होने लगेगा और आपका घर फिर से मंदिर की तरह हो जाएगा।

1. मोर पंख को अगर आप घर के अंदर हाथों से ऊपर से नीचे फहराते हैं तो आपके घर की आसपास की नकारात्मक ऊर्ज़ा घर से चली जाती है।

2. बांसुरी सौभाग्य और ऐश्वर्य का सूचक है। इसे आप घर में थोड़ा तिरछा करके किसी भी दिशा में लगाएं। तो आपके घर में सकारात्मक ऊर्ज़ा का संचार होता है।

3. घर के फर्श पर अगर नमक के पानी का पोंछा लगाएं और दक्षिण पश्चिम कोण के अंदर में अलमारी के ऊपर में नमक का ढेला रखें तो सकारात्मक ऊर्ज़ा का संचार होता है। ध्यान रखें नमक के ढेले को 4-5 दिनों में बदलते रहिए।

4. घर के मुख्य द्वार पर गणेश प्रतिमा नहीं लगाना चाहिए बल्कि अगर यहां चांदी का स्वास्तिक लगाते हैं तो घर के अंदर नकारात्मक शक्तियों का प्रवेश नहीं कर पाएंगी।। कहते हैं कि वास्तु के 75 प्रतिशत दोष स्वास्तिक लगाने के साथ ही दूर हो जाते हैं।

5. मकान के मुख्य द्वार के आगे शौचालय या रसोईघर का दरवाजा होना या मुख्य द्वार के आगे दीवार या खम्भा होना ठीक नहीं माना जाता है अतैव आप ऐसा घर बनाने से बचें।

रेसिपी

पनीर चिप्स सैंडविच

सामग्री

8 ब्रेड स्लाइस किनारे से कटे हुए थोडे से प्लेन चिप्स 1 प्याज के फ्लेक्स तेल में तल कर निकाले लीजिए 10 पालक के पत्ते किए हुए 1 बडे टमाटर के स्लाइस 3 बडे चम्मच पनीर कसा हुआ स्वादानुसार नमक और काली मिर्च बटर व सजाने के लिए गाजर के लच्छे।

विधि

ब्रेड पर बटर स्प्रे करें। ब्लांच किए हुए पालक के पत्ते ब्रेड स्लाइस पर सेट करें। टोमैटो स्लाइस सेट करें। प्याज फ्लेक्स और पनीर मिलाएं। नमक और काली मिर्च बुरकें। ब्रेड पर रखे टोमैटो स्लाइस पर पनीर का मिश्रण रखें। दूसरे ब्रेड स्लाइस ब्रेड स्लाइस से कवर करें। चिप्स और गाजर के लच्छों के साथ सजाएं। और टेस्टी लज़ीज़ सैंडविच का ज़ायका लीजिये .

देसी अंदाज में विदेशी स्टफ्ड कैबेज रोल्स

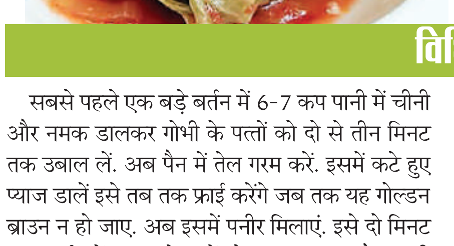

सामग्री

उबले हुए गोभी के पत्ते - 8, कटा हुआ प्याज - 2,200 ग्राम S पनीर कसा हुआ,1 कप - टोमेटो प्यूरी, सिरका - 1 छोटा चम्मच, लहसुन - 2 गुच्छे कटे हुए, चीनी - 1 छोटा चम्मच, तेल - 4 चम्मच, नमक और काली मिर्च स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में 6-7 कप पानी में चीनी और नमक डालकर गोभी के पत्तों को दो से तीन मिनट तक उबाल लें. अब पैन में तेल गरम करें. इसमें कटे हुए प्याज डालें इसे तब तक फ्राई करेंगे जब तक यह गोल्डन ब्राउन न हो जाए. अब इसमें पनीर मिलाएं. इसे दो मिनट तक फ्राई करें. ऊपर से डालें थोड़ा-सा नमक और काली मिर्च और दो से तीन मिनट तक भूनें. अब एक दूसरा पैन लें और तेल गरम करें. इसमें लहसुन डालकर फ्राई करें. अब इसमें डालें टोमेटो प्यूरी, सिरका, नमक, चीनी और काली मिर्च पाउडर. इसे अच्छे से मिला लें. इसे दो मिनट तक पका लें. अब गोभी के पत्तों को एक प्लेट पर रखें. इसमें एक चम्मच बनाया हुआ पनीर और प्याज का मसाला भरें और अच्छे से फोल्ड कर लें. अब इसे एक टूथपिक से फिक्स कर लें. ताकि यह खुल न जाए. अब इन रोल्स को बेकिंग ट्रे में रखें. अब इनपर लगी हुई टूथपिक को निकाल दें और इन पर बनाई हुई सॉस डालें. अब इसे माइक्रोवेव में 180 डिग्री पर बेक करें. बाहर निकालने के बाद रोल्स को कसे हुए पीनर से गार्निश करें. लीजिए तैयार हैं आपके कैबेज रोल्स.

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

वैचारिक जनादेश भी

बंगाल और तमिलनाडु के जनादेश 'मील-पत्थर' हैं। बंगाल जीत कर आरएसएस का चिर-संचित एजेंडा भी पूरा हो गया है, तो तमिलों ने 64 साल पुरानी द्रविड़ राजनीति को खारिज कर नई विचारधारा, नए एजेंडे को चुना है। आरएसएस का पुराना एजेंडा था कि जम्मू-कश्मीर, असम, पूर्वोत्तर और बंगाल को जीत कर राष्ट्रवाद की सत्ता स्थापित करनी है। 'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं। बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ना, देश के नए परिसीमन और अंततः नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं। यकीनन वे राजनीतिक चुनौतियां भी हैं। तमिलनाडु का जनादेश भी वैचारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। 1960 के दशक में वहां द्रविड़ राजनीति का आंदोलन ऐसा खड़ा किया गया कि 1967 के बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी लौट ही नहीं पाई। पेरियार (ईवी रामासामी नायकर) दक्षिण भारत के एक महान समाज सुधारक, तर्कवादी, नास्तिक, द्रविड़ आंदोलन के जनक थे। उन्होंने तमिलनाडु में जाति-व्यवस्था, ब्राह्मणवाद, अंधविश्वास और महिला उत्पीडऩ के खिलाफ 'आत्म-सम्मान आंदोलन' चलाया। उनके सामाजिक न्याय योगदान के कारण उन्हें 'पेरियार' (महान व्यक्ति) कहा जाता है। द्रविड़ राजनीति का विभाजन हुआ और द्रमुक, अन्नाद्रमुक नामक राजनीतिक दल स्थापित हुए, लेकिन उनकी बुनियादी सोच एक ही थी। उन्हें वैकल्पिक तौर पर जनादेश भी मिलते रहे। मौजूदा संदर्भों तक द्रविड़ राजनीति देश में उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदी-विरोधी, सनातन-विरोधी की पर्याय ही बनी रही। निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदय स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना 'मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से की और उनके समूल नाश के आह्वान किए। अब विधानसभा चुनाव में तमिल जनता ने छह दशकों के लंबे कालखंड के बाद द्रविड़ राजनीति को खारिज किया है। यह बहुत बड़ा वैचारिक बदलाव है। हालांकि सुपरस्टार विजय की दो साल पुरानी पार्टी 'टीवीके' को बहुमती जनादेश नहीं मिला है, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी और बहुमत के बेहद करीब है, लिहाजा सत्ता का आमंत्रण उन्हें ही मिलेगा। विजय ने व्यापक संदर्भों में भ्रष्टाचार के खिलाफ और शिक्षा-रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधारों का एजेंडा पेश किया है। बंगाल, तमिलनाडु, असम के संदर्भ में 'मुफ्तखोरी की रेवडिय़ां' जिस तरह परोसी गई हैं, वे अंततः देशहित में नहीं हैं और देश पर कर्ज का बोझ ही बढ़ाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी 'रेवडिय़ों' का सार्वजनिक विरोध करते रहे हैं, लेकिन फिर भी उनकी पार्टी रेवडिय़ों को 'गारंटी' के तौर पर परोसती है। तमिलनाडु पर करीब 10.42 लाख करोड़ रुपए और बंगाल पर 7.90 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। बंगाल में करीब 6688 कंपनियां और फैक्टरियां राज्य छोड़ कर कहीं और चली गई हैं। बंगाल के करीब 7.18 लाख लोग पलायन कर चुके हैं। तमिलनाडु की आर्थिक विकास दर बेहतर है, लेकिन कर्ज कैसे चुकता किया जाएगा? औसत चुनाव में किसानों के कर्ज माफ के आश्वासन दिए जाते हैं।

'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं। बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ना, देश के नए परिसीमन और अंतत: नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं। यकीनन वे राजनीतिक चुनौतियां भी हैं।

निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई। निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल

चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी। इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। "जय श्री राम" के साथ "जय मां काली" और "जय मां दुर्गा" जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे। चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया। इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है। अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं।

देश दुनिया से

बंगाल में निर्ममता की हार, तुष्टिकरण पर प्रहार और विकास की बयार

पश्चिम बंगाल के जनादेश ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक, प्रभावी और परिणाम देने वाले नेतृत्व पर अडिग विश्वास रखती है। यह भरोसा किसी भावनात्मक लहर का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से दिख रहे सुशासन, पारदर्शिता और निरंतर विकास की ठोस बुनियाद पर खड़ा है। यह केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि बंगाल की जनता के भीतर वर्षों से पनप रहे आक्रोश, पीड़ा और बदलाव की आकांक्षा का सशक्त विस्फोट है। इस जनादेश में साफ दिखता है कि जनता ने भय की राजनीति को नकारते हुए भरोसे को अपनाया, तुष्टिकरण को ठुकराकर विकास को चुना और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होकर सुशासन को प्राथमिकता दी। बंगाल में यह जीत वास्तव में जनता की जीत है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में चल रहे टोलाबाजी, सिंडिकेट राज, भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा और खुले तुष्टिकरण के खिलाफ जनता लंबे समय से सड़कों पर थी। हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, युवा हो, महिला हो या व्यापारी, सबने इस व्यवस्था के खिलाफ मन बना लिया था। पिछले वर्षों में पश्चिम बंगाल में जिस तरह से हिन्दू समाज के साथ भेदभाव हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है। तुष्टिकरण की राजनीति ने सामाजिक संतुलन को बिगाड़ा और अवैध घुसपैठ को प्रोत्साहन देकर राज्य की पहचान और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए गए। हालात ऐसे बन गए थे कि कई इलाकों में हिन्दू समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया गया। चुनाव के समय उन्हें वोट डालने तक से रोका गया, डराया-धमकाया गया। यह लोकतंत्र का अपमान था, लेकिन इस बार जनता ने इन सबका जवाब दिया है। ममता बनर्जी की हताशा चुनाव से पहले ही दिखने लगी थी। एक भ्रष्ट निजी कंपनी को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना, मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की उपस्थिति का विरोध करना, ये सभी कदम इस बात के संकेत थे कि उन्हें अपनी हार का अंदाजा हो चुका था। लेकिन लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और जनता ने

अपना फैसला स्पष्ट रूप से सुना दिया। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाती है कि देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर अटूट विश्वास रखती है। पिछले 12 वर्षों में केंद्र में भाजपा की सरकार ने जिस तरह से विकास और सुशासन का मॉडल प्रस्तुत किया है, उसका असर हर राज्य में दिख रहा है। जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां न केवल विकास हुआ है बल्कि जनता ने बार-बार उस पर मुहर लगाई है। असम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना और वह भी पहले से अधिक, लगभग तीन-चौथाई बहुमत के साथ, यह बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राज्य सरकारों ने विकास के नए मानक स्थापित किए हैं। असम में बुनियादी ढांचे से लेकर कानून-व्यवस्था तक हर क्षेत्र में सुधार हुआ है, जिसका परिणाम जनता के विश्वास के रूप में सामने आया है। इन विधानसभा चुनावों में विपक्ष पूरी तरह से बिखरा हुआ नजर आया। राहुल गांधी एक बार फिर इस चुनाव में असफल नेता के रूप में सामने आए हैं। वह न तो इंडी गठबंधन को एकजुट रख पाए और न ही जनता के बीच कोई विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत कर पाए। चुनाव परिणामों के समय उनका विदेश में होना यह दर्शाता है कि वह इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने के लिए तैयार ही नहीं हैं। इंडी गठबंधन अब केवल नाम का गठबंधन रह गया है, जिसका भविष्य अंधकारमय दिखता है। तमिलनाडु में वर्षों से जो लोग सनातन संस्कृति का अपमान करते आए, जिन्होंने हिन्दू आस्थाओं को निशाना बनाया, दीपम जैसे धार्मिक आयोजनों में बाधाएं डालीं और धर्म-भाषा के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश की। जनता ने उन्हें भी करारा जवाब दिया है। सनातन संस्कृति की तुलना डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से करने वाली मानसिकता को जनता ने नकार दिया है। यह बदलाव धीरे-धीरे ही सही, लेकिन स्थायी रूप से उभर रहा है। पुडुचेरी में भी भाजपा के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। भले ही यह प्रतिशत में कम दिखे, लेकिन यह संकेत स्पष्ट है कि दक्षिण भारत में भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी वैचारिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। केरल में भी भाजपा का आधार लगातार मजबूत हो रहा है। भले ही अभी वहां सत्ता तक पहुंचने में समय लगे, लेकिन जनता के बीच वैचारिक परिवर्तन साफ दिखाई दे रहा है। यह दर्शाता है कि देश का हर कोना अब विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति की ओर बढ़ रहा है। बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं का संघर्ष और बलिदान छिपा हुआ है। पिछले कई वर्षों में, खासकर पिछले विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस तरह की हिंसा और उत्पीड़न का सामना किया, वह अभूतपूर्व था। हजारों कार्यकर्ताओं को बेघर होना पड़ा, कईयों के घरों में आग लगा दी गई, दुकानों को लूट लिया गया, महिलाओं के साथ अत्याचार हुए और कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान तक गंवाई। तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा किए गए इन अत्याचारों के बावजूद भाजपा कार्यकर्ता डटे रहे। उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि और मजबूती से संघर्ष किया। यह संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं था, बल्कि विचारधारा और लोकतंत्र की रक्षा का संघर्ष था।

कुछ अलग

आंव कै गेय हो! जय हो! जय हो!

एक था राजा। एक थी प्रजा। राजा एक ही होता है। प्रजा अनेक होती है। राजा नियम से अनपढ़ था। प्रजा पढ़ी लिखी। राजा का अनपढ़ होना जरूरी होता है। पढ़ा लिखा राजा प्रजा के लिए अशुभ होता है। अनपढ़ राजा प्रजा के लिए शुभ होता है। राजा के पास कोई डिग्री नहीं होती। उसके पास जनता को बहलाने फुसलाने का अनुभव होता है। जो प्रजा को जितना अधिक बहलाता फुसलाता है, वह उतना ही महान राजा कहलाता है। एक दिन राजा के सलाहकार को मस्ती मस्ती में पता नहीं क्यों प्रजा हित की सूझी? तब बेड रूम में दोपहर को सोए राजा के सलाहकार ने अपनी पीठ थपथपाते, राजकोष से मौज उड़ाते, मसखरी मसखरी में राजा से कहा, 'हे राजन! आई फील, जनता पर करों का बोझ गधे की पीठ से अधिक हो गया है।' 'डियर सलाहकार! प्रजा होती ही राजा के करों का बोझ ढोने को है। पर तुम सलाहकार मेरे हो या प्रजा के? जो प्रजा राजा के ऐशो आराम के लिए लगाए करों को नहीं ढोती, वह प्रजा आदर्श प्रजा नहीं होती।' 'सो तो ठीक है महाराज! माना, प्रजा का काम हर सिस्टम में राजा को ढोना ही होता है। पर राजा को तब जरा चौकन्ना हो जाना चाहिए जब जब प्रजा का मन रोता है। प्रजा का तन रोए तो कोई चिंता नहीं। प्रजा का तन निचोडऩा हर तंत्र के राजा का पारिवारिक अधिकार होता है।' 'क्या तन मन दो अलग अलग होते हैं?' 'जी जनाब!' 'मतलब?' 'अब आहत प्रजा को तनिक राहत दे दी जाए।' 'प्रजा को राहत! मतलब मेरे पर्सनल खजाने की लूट?' राजा गुस्साया। 'नहीं महाराज! प्रजा तो सूरज की किरण की नोक भर छूट पर भी जय जयकार कर उठती है।'

आप का नज़रिया

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं, वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुःस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता, स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है। हां, इतना जरूर है कि दक्षिण भारत में पकड़ बनाने के लिये भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार उसे केरल की तीन व तमिलनाडु की एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। वहीं केरलम में वाम मोर्चे के अंतिम किले का ध्वस्त होना और लगातार टकराव के मूड में रहने वाले स्टालिन की विदाई उसका उत्साह बढ़ाने वाले हैं। बहरहाल- ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं। बहरहाल, विगत में राजनीतिक हिंसा का इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान उपजी कटुता को नियंत्रित करने के प्रयास बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के करने होंगे। निस्संदेह, लोकतंत्र में हिंसा की कोई भूमिका नहीं स्वीकारी जानी चाहिए।

भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलत: दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं, वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है।

दृष्टि कोण

मुफ्त बांट से पिसती है अर्थव्यवस्था

देश में मुफ्त बांट यानी फ्रीबीज की घोषणाएं इन दिनों सामाजिक गलियारों में एक प्रमुख चर्चा और चिंता का विषय बनी हुई हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी सत्ताधीशों द्वारा मुफ्त की चीजें इत्यादि बांटने पर गहरी नाराजगी जताई है। माननीय कोर्ट का सही मानना है कि इससे लोग काम करने की बजाय मुफ्त सुविधाओं पर निर्भर हो रहे हैं। इस तरह की योजनाएं राज्यों की अर्थव्यवस्था पर बोझ बन रही हैं। असल मे मुफ्तबांट के चक्कर में राज्यों का पूंजीगत खर्च कम हो रहा है, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मुफ्त बांटने के कारण कई राज्यों पर भारी कर्ज (जीडीपी का 40 फीसदी से अधिक) होने की बात सामने आई है, जहां आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ सबसिडी में जा रहा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार 55 फीसदी लोग मुफ्त की योजनाओं को बंद करने के पक्ष में हैं, जबकि 77 फीसदी का मानना है कि ये योजनाएं लोगों को कामचोर बना रही हैं। मुफ्त बांट के चलते देश के लगभग हर राज्य की वित्तीय हालत खराब हो रही है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट में भी इस पर चिंता जताई गई है। अनेक राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए मुफ्तबांट अब बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल एक राज्य के विधानसभा चुनाव से पहले 38000 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इसके बाद सरकार के पास जरूरी खर्चों के लिए पैसे ही नहीं बचे। नतीजतन, बिजली दरें बढ़ीं, बुनियादी ढांचा से जुड़े कामकाज ठप पड़ गए। पिछले कुछ बरसों में देश में मुफ्त कल्याणकारी योजनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इससे राजस्व खर्च बढ़ रहा है। बढ़ा हुआ राजस्व खर्च विकास कार्यों पर असर डालता है। सडक़, पुल, बांध जैसे इंफ्रा प्रोजेक्ट पर यही पैसा लगाया जा सकता था। ऐसा नहीं होने पर रोजगार सृजन प्रभावित होता है। स्कूल-कॉलेज और कौशल विकास में सुस्ती से भविष्य में तरक्की धीमी हो सकती है। व्यवस्था ऐसी योजनाओं के आर्थिक दबाव में आएगी, फिर आर्थिक तरक्की कैसे होगी? अगले दो वर्षों में हमारे सामने आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ी

चुनौती हो सकती है। साथ ही, अगले साल की शुरुआत में आठवें वेतन आयोग के तहत नया वेतनमान लागू करना होगा, जिससे राज्यों को भी वेतन बढ़ाना पड़ेगा। यह वर्ग बड़ा वोटर भी है। सीमित खजाने और सिकुड़ते संसाधनों के बीच मुफ्त योजनाओं और विकास कार्यों का संतुलन बनाए रखना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। आर्थिक दबाव, महंगाई और चुनावी योजनाओं का तालमेल अब कठिन होता दिख रहा है। पिछले दिनों कई राज्यों में लोकलुभावन वादे पूरे करने में बजट की समस्या देखने को मिली। वोटरों को लुभाने के लिए फ्रीबीज अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। फ्रीबीज यानी रेवड़ी में अक्सर वे चीजें होती हैं, जो लोगों को सक्षम बनाने का काम नहीं करतीं। हमें फ्रीबीज को तरक्की के वादों से अलग करना होगा। अगर हम अपने संविधान की बात करें, तो उसके एक अनुच्छेद में साफ लिखा है कि राज्य को लोगों की आमदनी में असमानता कम करने की कोशिश करनी चाहिए। उसे स्टेटस, सुविधाओं और मौकों में जो नाइंसाफी है, उसे खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। इस नजरिए से देखें, तो बहुत जरूरी हो जाता है कि कुछ ऐसी चीजें हों जो लोगों की जिंदगी का स्तर ऊपर उठाएं और उनके लिए मौके बनाएं। नौकरी पैदा करना, रोजगार देना, या स्किल डिवेलप करना- ये राज्य की कुछ अहम जिम्मेदारियां हैं। लेकिन फ्रीबीज कल्चर के साथ दिक्कत यह है कि इसमें आप तरक्की के लिए सही माहौल नहीं बना रहे होते। आप एक आलसी और बेकार वर्कफोर्स बनाते हैं, जो बस घर पर बैठकर सबसिडी का मजा लेगी।

तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन, पदक से चूकीं पुरुष और महिला टीमें

शंघाई

तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड टीमें उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं। मजबूत दावेदार मानी जा रही दोनों टीमों ने निर्णायक मौकों पर निराशाजनक प्रदर्शन किया।

सबसे बड़ा झटका महिला टीम को लगा, जिसने पिछले महीने मैक्सिको में आयोजित पहले चरण में भारत को एकमात्र स्वर्ण पदक दिलाया था। ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रगति और अदिति स्वामी की तिकड़ी क्वार्टर फाइनल में तुर्की से 227-233 से हारकर बाहर हो गई।

भारतीय महिला टीम तुर्की की हज़ाल बुरुन, डेफ्ने चाकमाक और एमिने राबिया ओगुज़ की निरंतरता का मुकाबला नहीं कर सकी, जिन्होंने दूसरे एंड से बढ़त बनाकर मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी।

पुरुष टीम ने सेमीफाइनल तक पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन वहां भी दबाव में प्रदर्शन नहीं कर सकी। ओजस देवताले, साहिल जाधव और कुशल दलाल की टीम को कांस्य पदक मुकाबले में चीन के खिलाफ शूट-आफ में हार का सामना करना पड़ा।

कांस्य पदक मुकाबले में दोनों टीमों का स्कोर 234-234 से बराबर रहा। शूट-आफ में भी दोनों टीमों ने तीन-तीन सटीक निशाने लगाए, लेकिन चीन के दो तीर केंद्र के अधिक करीब रहे, जबकि भारत का केवल एक तीर केंद्र के करीब था, जिससे चीन ने मुकाबला जीत लिया।

मुकाबले के मध्य तक भारत 118-117 से आगे था, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए तीसरे एंड में स्कोर बराबर कर लिया। अंतिम एंड में भी दोनों टीमों ने 58-58 का स्कोर किया, लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में महत्वपूर्ण अंक गंवा दिए। सेमीफाइनल में भारत को अमेरिका के खिलाफ 234-235 से करीबी हार झेलनी पड़ी। शुरुआती तीन एंड तक बढ़त बनाए रखने के बावजूद भारतीय टीम अंतिम चरण में पिछड़ गई। इन लगातार हारों ने एक बार फिर दिखाया कि भारतीय टीम निर्णायक मौकों पर दबाव संभालने में संघर्ष कर रही है, जो आगामी एशियाई खेलों से पहले चिंता का विषय है। चार महीने बाद जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले यह प्रदर्शन टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है। विदेशी कोच की कमी और ठोस योजना के अभाव का असर अब साफ दिखने लगा है।

न्यूज ब्रीफ

कालेज स्पोर्ट्स के लिए 18-19 मई को ट्रायल सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के स्पोर्ट्स कालेजों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ियों के लिए चयन/ट्रायल्स का आयोजन 18 व 19 मई को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में किए जाएंगे। गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ, वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज गोरखपुर, मेजर ध्यानचंद्र स्पोर्ट्स कालेज सैफई, स्पोर्ट्स कालेज फतेहपुर व स्पोर्ट्स कालेज सहारनपुर में कक्षा 6, 9 व 11 में कुल 518 संभावित सीटों पर प्रवेश होगा। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया आनलाइन शुरू हो चुकी है। क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि अभ्यर्थी खेल साथी पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क 200 रुपये जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि आवेदन करते समय यूडाइस पोर्टल द्वारा जारी पेन (परमानेंट एजुकेशन नंबर) भरना अनिवार्य है। बिना पेन नंबर के आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने विश्व कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों का किया बचाव

बेवर्ली हिल्स। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने मंगलवार को विश्व कप 2026 के टिकटों की बढ़ती कीमतों का बचाव करते हुए कहा कि वैश्विक फुटबाल संस्था अमेरिकी कानूनों का लाभ उठाने के लिए बाध्य है, जो टिकटों को मूल कीमत से कई गुना अधिक पर पुनः बेचने की अनुमति देते हैं। विश्व कप टिकटों की कीमतों को लेकर फीफा की तीखी आलोचना हो रही है। प्रशंसक संगठन फुटबाल सपोर्टर्स यूरोप (एफएसई) ने इस मूल्य निर्धारण को अत्यधिक और विश्वासघात करार दिया है। एफएसई ने मार्च में यूरोपीय आयोग में फीफा के खिलाफ अत्यधिक टिकट कीमतों को लेकर मुकदमा भी दायर किया था। फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय मंच फीफा मार्केटप्लेस पर पिछले सप्ताह 19 जुलाई को न्यूयार्क में होने वाले फाइनल मुकाबले के चार टिकटों की कीमत 20 लाख डालर से अधिक प्रति टिकट बताई गई थी। मिल्केन संस्थान ग्लोबल सम्मेलन में बोलते हुए इन्फैंटिनो ने कहा कि इतनी ऊंची कीमतें विश्व कप देखने की भारी मांग को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, अगर कुछ लोग फाइनल के टिकट 20 लाख डालर में बेचने के लिए डालते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि टिकट की असली कीमत इतनी है, और यह भी जरूरी नहीं कि कोई उन्हें इखरीदे। इन्फैंटिनो ने मजाकिया अंदाज में कहा, अगर कोई 20 लाख डालर में टिकट खरीदता है, तो मैं खुद उसे हाट डाग और कोक दूंगा, ताकि उसका अनुभव शानदार रहे। प्रशंसक समूहों ने 2022 कतर विश्व कप और 2026 विश्व कप के टिकटों की कीमतों की तुलना करते हुए भारी अंतर पर सवाल उठाए हैं। 2022 में फाइनल का सबसे महंगा टिकट लगभग 1600 डालर था, जबकि 2026 में इसकी मूल कीमत करीब 11,000 डालर तक पहुंच गई है। इन्फैंटिनो ने इन कीमतों को उचित ठहराते हुए कहा कि यह बाजार की स्थिति के अनुरूप है।

विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत की निराशाजनक हार, आस्ट्रिया ने 3-0 से हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

लंदन। आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स में भारतीय पुरुष टीम का अभियान प्री-क्वार्टर चरण (अंतिम 32) में समाप्त हो गया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में आस्ट्रिया ने भारत को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। करीब 1 घंटा 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारत की ओर से मानुष शाह ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, जबकि मानव ठक्कर और साथियान ज्ञानसेकरन अपने-अपने मैच आसानी से हार गए। मुकाबले की शुरुआत मानुष शाह ने राबर्ट गार्डोस के खिलाफ की। उन्होंने पहला गेम 11-6 से जीता, लेकिन इसके बाद 7-11 और 3-11 से अगले दो गेम गंवा दिए। चौथे गेम में 11-8 से वापसी करते हुए मैच निर्णायक गेम तक पहुंचाया, जहां उन्हें कड़े मुकाबले में 11-13 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच कुल 46 मिनट तक चला। इसके बाद भारत 0-1 से पीछे हो गया और अगले दोनों मुकाबलों में भी टीम को निराशा हाथ लगी।

पंजाब से जीतकर टॉप पर पहुंची हैदराबाद श्रेयस अय्यर की टीम ने लगाई हार की हैट्रिक

हैदराबाद: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में 49वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच आज यानी 6 मई को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को हैदराबाद ने 33 रन से जीत लिया। 236 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में पंजाब किंग्स 7 विकेट पर 202 रन ही बना पाई।पंजाब किंग्स की यह लगातार तीसरी हार थी। इस हार के साथ पंजाब किंग्स पॉइंट्स टेबल में 13 अंक के साथ दूसरे नंबर पर आ गई है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की इस सीजन की यह 7वीं जीत थी। वे अब टेबल में 14 पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर आ गए हैं।

कूपर कोनोली ने ठोका नाबाद शतक

पंजाब किंग्स के ओपनर्स प्रियांश आर्य (1) और प्रभसिमरन सिंह (3) जल्दी आउट हो गए थे। कप्तान श्रेयस अय्यर 5 रन बनाकर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली अंत तक लड़ते रहे। लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। कूपर कोनोली ने शतक जड़ा। उन्होंने 59 गेंद में नाबाद 107 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए। कूपर का स्ट्राइक रेट 181.36 का था।

कूपर कोनोली के अलावा मार्कस स्टोइनिसने 28 रन बनाए। 25 रन सूर्यांश शेडगे ने बनाए। 19 रन मार्को यानसन ने भी बनाए। हैदराबाद के लिए 2-2 विकेट पैट कमिंस और शिवांग कुमार ने लिए। 1-1 विकेट नीतीश रेड्डी, ईशान मलिंगा और साकिब हुसैन ने लिया।

कुछ ऐसी रही हैदराबाद की पारी

बुधवार को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 235 रन बनाए थे। इस टीम को अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई थी। दोनों खिलाड़ियों ने 3.3 ओवरों में 54 रन की साझेदारी की। अभिषेक 13 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से ट्रेविस हेड ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 19 गेंदों में 30 रन की साझेदारी की। ट्रेविस 19 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ईशान किशन ने हेनरिक क्लासेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 88 रन जोड़ते हुए एसआरएच को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

हेनरिक क्लासेन ने खेली 69 रन की पारी

ईशान ने टीम के खाते में 55 रन जोड़े। 32 गेंदों की इस पारी में ईशान के बल्ले से 4 छक्के और 2 चौके निकले। क्लासेन ने नितीश रेड्डी के साथ चौथे विकेट के लिए 32 गेंदों में 63 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। क्लासेन 43 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 69 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रेड्डी ने 13 गेंदों में 29 रन की नाबाद पारी खेली। पंजाब किंग्स की तरफ से अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल और विजयकुमार वैशाक ने 1-1 विकेट हासिल किया।

हारे हुए मैच में कूपर कोनोली ने जीता दिल,

पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल का यह मुकाबला ऐतिहासिक बन गया जहां युवा और प्रतिभाशाली बल्लेबाज कूपर कोनोली ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं।

कोनोली ने न केवल अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा बल्कि अपनी टीम को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख अपनाया और मैदान के हर कोने में रन बटोरे।

एमपीएस हाट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में माडर्न पब्लिक स्कूल की टीम बनी चैम्पियन

मुरादाबाद

दिल्ली रोड स्थित माडर्न पब्लिक स्कूल में बुधवार को एमपीएस हाट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला एमपीएस बनाम आरएसडी एकेडमी के मध्य खेला गया। माडर्न पब्लिक स्कूल ने जीत दर्ज की। माडर्न पब्लिक स्कूल के यश व्यास को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी व श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया।

आयोजन सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि एमपीएस बनाम आरएसडी एकेडमी के बीच शानदार मुकाबला हुआ, जिसमें आर एस डी एकेडमी के टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और दस ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 55 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में उतरी माडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने कुल 3.3 ओवर में लक्ष्य की प्राप्ति कर चैम्पियंस ट्राफी अपने नाम की।

माडर्न पब्लिक स्कूल के यश व्यास को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी व श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज आर. एस डी एकेडमी के आरुष शर्मा को दिया गया जिन्होंने पूरी प्रतियोगिता में सबसे अधिक विकेट लिए , फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज माडर्न पब्लिक स्कूल के अयान सुधाकर को दिया गया, माडर्न पब्लिक स्कूल के केशव ठाकुर को उभरते हुए खिलाड़ी का खिताब दिया गया।

प्रतियोगिता का समापन समारोह मुख्य अतिथि सऊद आलम व प्रधानाचार्य शकील अहमद ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र और विजेता टीम को 5000 और उपविजेता टीम को 2500 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आयोजन मंडल में शाहवेज़ अली, आर पी सिंह, सावन देओल, नासिर हुसैन व कीर्ति पाल आदि उपस्थित रहे।

22वीं कामनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप का ऐलान, 27 जुलाई से 02 अगस्त तक

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में 22वीं कामनवेल्थ टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2026 का आधिकारिक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब खेलों के वैश्विक मंच पर अपनी नई पहचान दर्ज कराने जा रही है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि 27 जुलाई से 02 अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम में आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित चैम्पियनशिप में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और मलेशिया सहित 35 से अधिक कामनवेल्थ देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह चैम्पियनशिप दिल्ली की आधुनिक खेल सुविधाओं, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्वस्तरीय आयोजन क्षमता को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगी। इस अवसर पर दिल्ली के खेल मंत्री आशीष सूद सहित कामनवेल्थ टेबल टेनिस फेडरेशन और टेबल टेनिस फेडरेशन आफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 22वीं कामनवेल्थ टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में 35 से अधिक राष्ट्रमंडल देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह प्रतिष्ठित आयोजन दिल्ली के विश्व-स्तरीय खेल बुनियादी ढांचे को प्रदर्शित करेगा और ओलंपिक में उत्कृष्टता हासिल करने के हमारे विजन 2036 को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम खेलों को बढ़ावा देने और वैश्विक आयोजनों की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

गगन नारंग और अन्नू राज सिंह के प्रोजेक्ट अमरजीत में देशभर के निशानेबाजों को मिलेगा मुफ्त प्रशिक्षण

नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और चार बार के ओलंपियन गगन नारंग ने अपनी पत्नी और ओलंपियन अन्नू राज सिंह के साथ मिलकर प्रोजेक्ट अमरजीत की शुरुआत की है। यह पहल देश के हर निशानेबाज, कोच और अकादमी के लिए मुफ्त कोचिंग, मेंटरिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगी। इस पहल की शुरुआत 6 मई को गगन नारंग के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिसे उन्होंने अपने जीवन का सबसे खास दिन बताया।

प्रोजेक्ट अमरजीत का नाम गगन नारंग की माता अमरजीत के नाम पर रखा गया है, जिसका अर्थ है जिसकी जीत कभी समाप्त न हो। गगन नारंग ने कहा कि यह पहल केवल उनकी मां को समर्पित नहीं है, बल्कि उन सभी माताओं के लिए है जो अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह पहल उन सभी माताओं को समर्पित है, जो अपने बच्चों के लिए हर संभव प्रयास करती हैं। प्रोजेक्ट अमरजीत के माध्यम से हम खेल के जरिए समाज को कुछ वापस देना चाहते हैं।

इस पहल के तहत तीन प्रमुख कार्यक्रम चलाए जाएंगे—उड़ान, प्रतिभा और दिशा। उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत 3 से 5 दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें गगन नारंग और अन्नू राज सिंह खुद प्रतिभागियों के पास जाकर प्रशिक्षण देंगे। प्रतिभा कार्यक्रम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक व्यक्तिगत मेंटरिंग पर आधारित होगा। दिशा कार्यक्रम कोच, अकादमियों और अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान करेगा। ये सभी कार्यक्रम ग्रासरूट, इंटरमीडिएट और एलीट स्तर पर उपलब्ध होंगे और देश के किसी भी हिस्से से जुड़े लोग इसमें भाग ले सकेंगे। आवेदन की समीक्षा स्वयं गगन नारंग और अन्नू राज सिंह करेंगे।

अन्नू राज सिंह ने कहा, मैंने अपने करियर की कई कठिनाइयों का सामना खुद किया है। मैं चाहती हूं कि आने वाले खिलाड़ियों को वह संघर्ष न करना पड़े। इसी सोच के साथ इस पहल की शुरुआत की गई है।

इस परियोजना के संचालन के लिए साथी, सहयोग और समर्पण माडल अपनाया गया है, जिसके तहत विशेषज्ञ, संस्थान और आम लोग योगदान दे सकेंगे। सभी आर्थिक सहयोग गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन के माध्यम से लिया जाएगा, जो एक पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन है और दानदाताओं को आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत छूट भी प्रदान की जाएगी। जहां आवेदकों के पास अपनी शूटिंग रेंज होगी, वहां यह कार्यक्रम सीधे पहुंचेगा, और जहां सुविधा नहीं होगी, वहां रेंज पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से व्यवस्था की जाएगी। गन फार ग्लोरी अकादमी इस पहल की प्रमुख साझेदार है। इसके अलावा, इस परियोजना के तहत खिलाड़ियों को वित्तीय साक्षरता, पोषण, खेल विज्ञान, डोपिंग विरोधी शिक्षा, मानसिक मजबूती और फिटनेस जैसे विषयों पर आनलाइन और आफलाइन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पहली बार महिला टी-20 विश्व कप खेलेगा नीदरलैंड, बाबेट डी लिडे होंगी कप्तान

नई दिल्ली

नीदरलैंड ने जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले अपने पहले महिला टी-20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में बाबेट डी लिडे टीम की कप्तानी करेंगी। बाबेट डी लिडे अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। उनके चाचा टिम डी लिडे और चचेरे भाई बास डी लिडे पुरुष विश्व कप में नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कप्तान बाबेट डी लिडे ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम अपने पहले आईसीसी टी20 विश्व कप को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने और बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर है। हम उम्मीद करते हैं कि हम अपने देश को गर्व महसूस कराएंगे और नीदरलैंड में युवा लड़कियों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने आगे कहा, टूर्नामेंट हमारे घर के करीब इंग्लैंड में हो रहा है, इसलिए हमें बड़ी संख्या में समर्थकों का समर्थन मिलने की उम्मीद है। यह हमारे लिए ही नहीं, बल्कि हमारे परिवार और दोस्तों के लिए भी जीवनभर का अनुभव होगा।

नीदरलैंड टीम - बाबेट डी लिडे (कप्तान), कैरोलिन डी लैंगे, फ्रेडरिक ओवरडाइक, हन्नाह लैंडहीयर, हीदर सीगर्स, आइरिस ज्विलिंग, इसाबेल वान डेर वोनिंग, लारा लीमहुइस, मिर्थे वान डेन राड, फीबे मोल्केनबोअर, रोबिन राइके, रोजाली लारेंस, सान्या खुराना, सिल्वर सीगर्स, स्टेरे कैलिस।

आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को हराकर 20 साल बाद चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह

लंदन। आर्सेनल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर 20 साल बाद चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया। घरेलू मैदान एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बुकायो साका के पहले हाफ के अंत में किए गए गोल ने टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में 1-1 से ड्रा खेलने के बाद आर्सेनल ने कुल मिलाकर 2-1 से मुकाबला अपने नाम किया। अब फाइनल में उसका सामना पेरिस सेंट-जर्मेन या बायर्न म्यूनिख से होगा, जो 30 मई को बुडापेस्ट में खेला जाएगा। आर्सेनल के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि टीम 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची है। उस समय उसे बार्सिलोना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। क्लब अब तक इस प्रतिष्ठित खिताब को जीत नहीं सका है। मैच में आर्सेनल ने संयमित खेल दिखाया। शुरुआती मिनटों में एटलेटिको ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन आर्सेनल ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस के शानदार मूव पर लिएंड्रो ट्रासार्ड ने शाट लगाया, जिसे गोलकीपर ने रोक तो लिया, लेकिन रिबाउंड पर साका ने मौका भुनाते हुए गोल कर दिया। दूसरे हाफ में एटलेटिको ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आर्सेनल की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। कोच मिकेल आर्टेटा के नेतृत्व में आर्सेनल इस सीजन शानदार फार्म में है और अब प्रीमियर लीग के साथ चैंपियंस लीग खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है। टीम अपने अंतिम तीन लीग मैच जीतकर खिताब भी अपने नाम कर सकती है।

अप्रैल में भारत का इस्पात उत्पादन और खपत बढ़ी, सभी श्रेणियों की कीमतों में सुधार

इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल में विकास की गति बनाए रखी, सभी श्रेणियों के कीमतों में सुधार

नई दिल्ली

भारत के इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल 2026 में अपनी विकास गति को बनाए रखी है। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में मज़बूत घरेलू मांग के चलते उत्पादन और खपत में वृद्धि दर्ज की गई है। इस्पात मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में कच्चे स्टील का उत्पादन 14.09 मिलियन टन रहा, जो अप्रैल 2025 के 13.31 मिलियन टन की तुलना में 5.8 फीसदी की सालाना (साल-दर-साल) बढ़ोतरी है। इस दौरान तैयार स्टील का उत्पादन बढ़कर 13.05 मिलियन टन हो गया, जिसमें सालाना आधार पर 3.4 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, तैयार स्टील की खपत भी 12.99 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो 8.1 फीसदी की वृद्धि है।

मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि यह वृद्धि निर्माण, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे अंतिम-उपयोग वाले क्षेत्रों में लगातार बनी हुई तेजी को दर्शाती है। इस दौरान हाट मेटल उत्पादन में भी साल-दर-साल 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इस महीने पिग आयरन का उत्पादन 6 फीसदी घटकर 0.69 मिलियन टन रह गया।

मंत्रालय ने बताया कि व्यापार के मोर्चे पर भारत एक मामूली शुद्ध आयातक बना रहा, जहां आयात 0.68 मिलियन टन और निर्यात 0.47 मिलियन टन रहा। इसकी तुलना में अप्रैल 2025 में आयात 0.52 मिलियन टन और निर्यात 0.38 मिलियन टन रहा था। इस प्रकार अप्रैल 2026 में आयात और निर्यात में क्रमशः 30.8 फीसदी और 24.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

इस्पात मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की कुल स्टील क्षमता लगभग 220 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) रही, जो 2030 तक 300 एमटीपीए के राष्ट्रीय स्टील नीति लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। इस दिशा में सेल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसपीएल और एएमएनएस जैसी कंपनियां अपनी क्षमता का विस्तार लगातार जारी रखे हुए हैं। मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल में घरेलू स्टील की कीमतों में सभी सेगमेंट में तेज़ी देखने को मिली है। टीएमटी/रीबार की कीमतों में महीने-दर-महीने आधार पर लगभग 2.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही साल-दर-साल आधार पर भी 3 फीसदी का लाभ दर्ज किया गया, जो कई महीनों की नरमी के बाद साल-दर-साल आधार पर पहली सकारात्मक बढ़त है।

मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान फ्लैट स्टील की कीमतों में ज्यादा तेजी आई, जिसमें हाट-रोल्ड काइल की कीमतों में पिछले महीने के मुकाबले लगभग 6.3 फीसदी और जीपी शीट की कीमतों में लगभग 7.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई, जो मजबूत मांग का संकेत है। इस तरह भारत के इस्पात क्षेत्र ने अप्रैल 2026 में अपनी विकास की गति को बनाए रखा, जबकि घरेलू मांग की मज़बूत गति और बुनियादी ढांचे तथा विनिर्माण क्षेत्रों में स्थिर औद्योगिक गतिविधियों का सिलसिला जारी रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता होने जा रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के थमने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स 350 अंक की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,259.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार काम किया। इसके अलावा नैस्डेक 258.32 अंक यानी 1.03 प्रतिशत उछल कर 25,326.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 100.85 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की छलांग लगा कर 49,399.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 144.82 अंक यानी 1.42 प्रतिशत टूट कर 10,219.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 86.19 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,062.31 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

अप्रैल में रिकार्ड 26.1 लाख वाहन बिके, ग्रामीण क्षेत्र बना ग्रोथ इंजन

मुंबई। अप्रैल माह में वाहनों की खुदरा बिक्री ने एक नया इतिहास बना दिया है। इस साल अप्रैल में कुल 26.1 लाख वाहन बिके, जो बीते अप्रैल की तुलना में 12.94 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दिखाता है। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को जाता है, जिन्होंने शहरी बाजारों से भी बेहतर प्रदर्शन कर देश की आर्थिक गति को बनाए रखा। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) और उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, छह में से पांच वाहन श्रेणियों ने अप्रैल 2024 की बिक्री में रिकार्ड दर्ज किया। इसमें दोपहिया वाहनों ने 13 प्रतिशत, तिपहिया ने 7 प्रतिशत, यात्री वाहनों ने 12 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों ने 15 प्रतिशत और ट्रैक्टरों ने 23.22 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दिखाई। हालांकि, निर्माण उपकरण श्रेणी में 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने इस गति पर संतोष जताकर कहा कि हम वित्त वर्ष 27 में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन के पीछे कई कारक जिम्मेदार रहे, जिसमें जीएसटी 2.0 के बाद उपभोक्ताओं की खर्च करने की बेहतर क्षमता, भारतीय रिजर्व बैंक का ब्याज दरों के प्रति सहायक रुख जिसने ईएमआई की सुविधा बढ़ाई और देशभर में शादियों का जोरदार सीजन शामिल हैं।

पश्चिम एशिया में सुलह की उम्मीद से उछला शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 6.51 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण शेयर मार्केट में जबरदस्त तेजी का माहौल बनता हुआ नजर आया। कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर करीब एक बजे तक बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में मालवाहक जहाजों को सुरक्षा देनेवाले नौसैनिक अभियान प्रोजेक्ट फ्रीडम को अस्थाई रूप से रोकने का ऐलान करने के बाद बाजार में एक बार फिर तेजी आ गई। ट्रंप के इस ऐलान के बाद अमेरिका और ईरान के बीच सुलह होने की उम्मीद बन गई, जिससे कच्चे तेल की कीमत में भी जोरदार गिरावट का रुख बना। इससे शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स में जबरदस्त सुधार हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.22 प्रतिशत और निफ्टी 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। बैंकिंग, आटोमोबाइल और हेल्थकेयर सेक्टर में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक आयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और पावर इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्राडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मालकैप इंडेक्स ने 1.93 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टाक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 473.02 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 6.51 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,394 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,862 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,365 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 167 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,967 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,230 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 737 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और नौ शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 406.57 अंक की मजबूती के साथ 77,424.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 657.22 अंक उछल कर 77,675.01 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 901.76 अंक टूट कर 244.54 अंक की कमजोरी के साथ 76,773.25 अंक के स्तर तक गिर गया।

इसके बाद पश्चिम एशिया में सुलह होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने की खबर आने के बाद बाजार में एक बार फिर उत्साह का माहौल बन गया, जिसकी वजह से खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 1,249.53 अंक की छलांग लगा कर 1,004.99 अंक की तेजी के साथ 78,022.78 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 940.73 अंक की बढ़त के साथ 77,958.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 138.20 अंक उछल कर 24,171 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 218.05 अंक उछल कर 24,250.85 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 252.95 अंक लुढ़क कर 34.90 अंक की कमजोरी के साथ 23,997.90 अंक के स्तर तक आ गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। इसी तरह चांदी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये से लेकर 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये से लेकर 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,50,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

हीरो मोटोकार्प को मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री से हुई मोटी कमाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प ने मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 1,473.92 करोड़ रुपए हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,168.75 करोड़ था। कंपनी की आय भी बढ़ी है। मार्च तिमाही में आपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 12,978.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,969.81 करोड़ था। तिमाही में कंपनी ने 17.14 लाख वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी ज्यादा है। वहीं, कुल खर्च बढ़कर 11,295.53 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 8,750.13 करोड़ था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा बढ़कर 5,775.7 करोड़ रहा, जबकि 2025 में यह 4,375.81 करोड़ रुपए था। वहीं, पूरे साल का रेवेन्यू 47,411.24 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 40,923.42 करोड़ रुपए था।

डेरिवेटिव्स में एनएसई की लीडरशिप और मजबूत हुई, मार्केट शेयर की रफ़्तार बनी रही

एनएसई ने कहा-अप्रैल में एक्सपायरी डे की छुट्टियों की वजह से वाल्यूम में आई गिरावट

नई दिल्ली/मुंबई

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपनी लीडरशिप को फिर से साबित किया है। एनएसई की नेतृत्व प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रीमियम टर्नओवर के आधार पर किया जाता है, जो एक उद्योग संबंधी मानक पैमाना है और असल आर्थिक गतिविधियों को दिखाता है।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज ने 2026 की पहली तिमाही में साफ तौर पर ऊपर की ओर जाने का रुझान दिखाया है। इसके इंडेक्स आप्शंस का मार्केट शेयर जनवरी में 66.7 फीसदी से लगातार बढ़कर मार्च में 72.1 फीसदी हो गया। ये 540 बेसिस पाइंट्स की बढ़ोतरी है, जो इसके अंदरूनी मज़बूत ग्रोथ की रफ़्तार को दिखाता है। अप्रैल के महीने में जब छुट्टियों की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव था, तब भी एनएसई ने इंडेक्स आप्शंस में 62.9 फीसदी और कुल एफएंडओ प्रीमियम टर्नओवर में 86.8 फीसदी का दबदबा वाला शेयर बनाए रखा, जो बाजार में उसकी लगातार लीडरशिप को दिखाता है। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि मंगलवार को पड़ने वाली मार्केट छुट्टियों की वजह से अप्रैल में फ्यूचर्स और आप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट में ट्रेडिंग वाल्यूम पर असर पड़ा। कंपनी के मुताबिक दो अहम हफ्तावार एक्सपायरी सेशन, जो ट्रेडिंग वाल्यूम के लिए बहुत जरूरी होते हैं। इसमें मंगलवार को छुट्टियों की वजह से नहीं हो पाए, क्योंकि मंगलवार को एनएसई के मुख्य निफ्टी कान्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी होती है।

इसके उलट गुरुवार को एक्सपायर होने वाले प्रतिद्वंद्वी कान्ट्रैक्ट्स पर कोई असर नहीं पड़ा, जिससे रिपोर्ट की गई गतिविधि में कुछ समय के लिए असंतुलन पैदा हो गया, इसमें बड़ा रुझान बाजार की स्थिति में सुधार और मज़बूती का संकेत देता है। नोशनल गणनाएं इंडेक्स की ऊंची कीमतों की वजह से प्रतिद्वंद्वियों के शेयर को कृत्रिम रूप से बढ़ा देती हैं, जिससे 19 फीसदी पाइंट्स तक का अंतर आ जाता है। इसके विपरीत, प्रीमियम टर्नओवर वैश्विक बेहतरीन तरीकों के अनुरूप है और सेबी जैसे रेगुलेटरों और संस्थागत निवेशकों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है। एक्सचेंज के मुताबिक एनएसई की लीडरशिप की स्थिति साफ बनी हुई है और इसकी बाजार स्थिति मजबूत है, विकास की रफ़्तार बरकरार है, और उतार-चढ़ाव ज़्यादातर तकनीकी है। एक्सचेंज भारत के डेरिवेटिव्स बाजार पर अपना दबदबा बनाए हुए है, जिसे गहरी लिक्विडिटी, संस्थागत विश्वास और संरचनात्मक रूप से मज़बूत पैमानों का समर्थन प्राप्त है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुवेंदु अधिकारी ...

में 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग बुलडोजर किराए पर देते हैं, उनके खिलाफ भी मामले दर्ज किए जाएंगे। दोपहर में, राज्य डीजीपी एस.एन. गुप्ता ने दावा किया कि उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी। मुर्शिदाबाद में, भाजपा समर्थकों के एक समूह ने बुधवार रात को जियागंज में कम्युनिस्ट आइकन लेनिन की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया। सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ के खिलाफ जियागंज पुलिस स्टेशन पर प्रदर्शन किया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। बाद में, पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

डोमकल के जुगिंदा में, सीपीआई(एम) समर्थक सफिकुल इस्लाम को तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा गोली चलाने में चोटें आईं। उन्हें मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया। बहरामपुर के कुंजाघाटा में, एक व्यक्ति को लोहे की रॉड से पीटने पर चोटें आईं। हथियारबंद भाजपा कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर तृणमूल कांडी नगर पालिका पार्षद साहेली दास मिश्रा की कार को तोड़फोड़ दिया।

बंगाल सीएम...

और यदि मैं नहीं कर सकता, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। मुझे नाम और तस्वीरें दीजिए, और मैं कार्रवाई करूंगा, उन्होंने कहा।हालांकि, राज्य भाजपा अध्यक्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी अभी सत्ता में नहीं है।

वंदे मातरम गीत ...

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और सांस्कृतिक इतिहास में विशेष स्थान है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देश इस प्रतिष्ठित रचना की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिससे मंत्रिमंडल के इस निर्णय का प्रतीकात्मक महत्व और भी बढ़ जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अनादरपूर्ण उपयोग को रोकने के लिए 2005 में भी इसी प्रकार के संशोधन किए गए थे। पिछले वर्ष दिसंबर में संसद में हुई एक विशेष चर्चा के दौरान भी वंदे मातरम को समान दर्जा देने की मांग उठाई गई थी, जो इसकी 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई थी।

विजय को रोकने ...

सूत्रों के अनुसार, इसलिए विजय का गुरुवार को होने वाला शपथ ग्रहण समारोह भी टल गया है। एक तरफ विजय जहां सरकार बनाने के लिए कोशिशों में जुटे हैं तो दूसरी तरफ दो सियासी दुश्मन'-एआईएडीएमके और डीएमके के साथ आने की अटकलें भी लगने लगी हैं।

तमिलनाडु में इस बार किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। टीवीके को 108 सीटें मिली हैं। दूसरे नंबर पर एमके स्टालिन की डीएमके है, जिसने 59 सीटें जीती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी की अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के पास 47 सीटें हैं। कांग्रेस के पास 5 विधायक हैं। अब अगर एआईएडीएमके-डीएमके साथ आती भी हैं तो दोनों के पास 59+47= 106 विधायक होंगे। वीसीके ने डीएमके के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। वीसीके के पास 2 विधायक हैं। इसके अलावा, लेफ्ट और आईयूएमएल के पास भी दो-दो विधायक हैं। अगर सब भी साथ आती हैं तो भी संख्या 112 ही होगी। यानी, एआईएडीएमके और डीएमके साथ आकर भी सरकार नहीं बना पाएंगी। हालांकि, दोनों के साथ आने की संभावना भी न के बराबर है। टीवीके की 108 सीटों में दो सीटें तो विजय की ही हैं। उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना होगा। इस तरह से टीवीके के पास 107 ही विधायक बचते हैं। टीवीके को कांग्रेस समर्थन दे रही है। लेकिन कांग्रेस के पास खुद 5 विधायक हैं। टीवीके और कांग्रेस मिलकर 112 विधायक होते हैं। लेफ्ट, आईयूएमएल और वीसीके ने विजय की समर्थन देने की बात कही है। तीनों को मिलाकर 6 विधायक हैं। अगर तीनों विजय को समर्थन दे देती हैं तो उनकी सरकार बन सकती है। हालांकि, अब तक तीनों ही पार्टी ने लिखित में औपचारिक सहमति नहीं दी है। विजय की पार्टी को समर्थन देना है या नहीं? इस पर फैसला करने के लिए वीसीके और लेफ्ट ने शुक्रवार को बैठक बुलाई है। तमिलनाडु में विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ 7 मई को लेने की तैयारी पूरी कर ली थी। उन्होंने राज्यपाल से भी 7 मई को 11:30 बजे शपथ ग्रहण समारोह करवाने का अनुरोध किया था।

ऑपरेशन सिंदूर...

इस सफलता ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय हथियारों की विश्वसनीयता बढ़ा दी है, जिससे कई देश भारत के डिफेंस सिस्टम में रुचि दिखा रहे हैं और नए सौदे आगे बढ़ रहे हैं।ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल ने लगभग 90% टारगेट को सफलतापूर्वक नष्ट किया। वहीं, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग 100% सफलता हासिल की, यानी दुश्मन की कोई भी मिसाइल या ड्रोन इसे भेद नहीं सका। इस शानदार प्रदर्शन के बाद दुनिया के कई देश इन सिस्टम को खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। वियतनाम के साथ ब्रह्मोस डील पर भी बातचीत जारी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 07 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डॉ. मांगी लाल जाट ने किया उन्नत न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला का उद्घाटन

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने संस्थान के अनुसंधान में हुई प्रगति, बुनियादी ढांचे के विकास एवं देश में श्री अन्न परितंत्र को सुदृढ़ करने पर केंद्रित लोक-संपर्क पहलों की समीक्षा हेतु 6 मई 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र), हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता तथा सतत आजीविका सुनिश्चित करने में श्री अन्न के बढ़ते महत्व पर बल दिया।

डॉ. मांगी लाल जाट ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान को सुदृढ़ करने तथा बेहतर बनाने हेतु निर्मित इस अत्याधुनिक न्यूट्रिजेनोमिक प्रयोगशाला की समीक्षा की। यह उन्नत सुविधा पूरी तरह से स्वचालित, उच्च प्रवाह क्षमता जीनोमिक के माध्यम से

श्री अन्न में अग्रणी जीनोमिक व आण्विक प्रजनन अनुसंधान में सहायता हेतु विकसित की गई है। यह सुविधा चिह्नक सहाय प्रजनन, कृत्रिम मेधा (एआई)-सक्षम उत्पादक प्रजनन एवं जीन-संपादन उपयोग को तीव्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, ताकि जलवायु परिवर्तन का सामना करने हेतु सक्षम, पोषण से भरपूर एवं ज़्यादा पैदावार वाली श्री अन्न किस्मों का तेज़ी से विकास किया जा सके।

इस नई प्रयोगशाला से यह आशा है कि यह शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, स्टार्ट-अप्स एवं व्यावसायिक कंपनियों के सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम एवं प्रौद्योगिकी साझेदारी के माध्यम से उन्नत जीनोमिक सहायता प्रदान करके वैश्विक श्री अन्न अनुसंधान एवं नवोन्मेष को आगे बढ़ाएगी। यह सुविधा पोषण जीनोमिक, तनाव जीवविज्ञान, प्रकार्यात्मक लक्षण खोज तथा अगली पीढ़ी के प्रजनन प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान को सुदृढ़ करेगी, जिससे खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन का सामना करने एवं सतत कृषि में सहायता मिलेगी। डॉ. जाट और डॉ. डी के यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) ने उन्नत फेनोमिक सुविधा का भी दौरा किया तथा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के भवन निर्माण की प्रगति की समीक्षा की, जहां उन्होंने श्री अन्न अनुसंधान एवं नवोन्मेष को आगे बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय वैज्ञानिक आधारिक संरचना के निर्माण में संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान ने टीएसपी, एसीएसपी, एनईएच तथा एफपीओ कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा विशेष पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने देशभर में आदिवासी किसानों, महिला समूहों, किसान उत्पाद संगठनों एवं छोटे किसान समुदायों के बीच श्री अन्न से होने वाली आजीविका, मूल्य-वर्धन, उद्यमशीलता तथा सतत खेती को बढ़ावा देने में संस्थान के प्रयासों पर प्रकाश डाला। डॉ. जाट ने प्रदर्शन क्षेत्र में वैज्ञानिकों से चर्चा की तथा संस्थान द्वारा विकसित श्री अन्न की नई किस्मों, समृद्ध जननद्रव्य संग्रहण, एवं नई श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन प्रौद्योगिकियों की समीक्षा की। उन्होंने तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश के श्री अन्न किसानों से भी बातचीत की, जिन्होंने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के हस्तक्षेप से श्री अन्न की खेती, मूल्य-वर्धन एवं आजीविका में सुधार पर अपनी सफल गाथाएं साझा कीं।

श्रद्धा व भक्ति के साथ रानी सती दादी का मंगल पाठ संपन्न

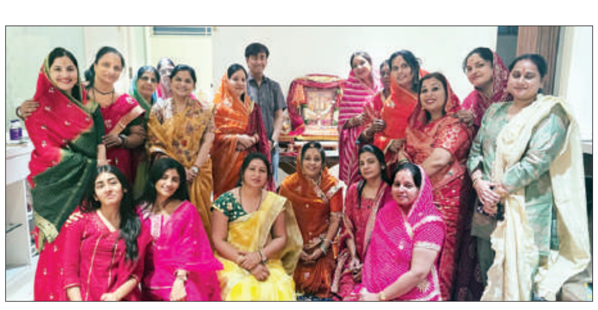

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जुगल किशोर दीपक व्यास के निवास पर रानी सती दादी का मंगल पाठ श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं दादी जी के आह्वान के साथ हुई। व्यास परिवार के तत्वावधान में आयोजित इस मंगल पाठ में ममता व्यास ने अपनी मधुर वाणी में रानी सती दादी के जीवन चरित्र और महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। पाठ के दौरान पूरा वातावरण दादी जी के जयकारों से गूंज उठा और भक्तिभाव का अनूठा दृश्य देखने को मिला।

इस अवसर पर दादी जी का भव्य दरबार विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे फूलों और आकर्षक शृंगार से सजाया गया था।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

दीपक व्यास ने कहा कि दादी जी की कृपा से ही परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने बताया कि यह मंगल पाठ विश्व कल्याण तथा परिवार की सुख-शांति की कामना के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

मराठी साहित्य पर मसाप द्वारा निःशुल्क कार्यशाला जारी

नीरजा काव्य पर दो दिवसीय अभ्यास सत्र कल से

हैदराबाद, 6 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मराठी साहित्य परिषद् (मसाप), इसामिया बाज़ार, तेलंगाना-मनस्पर्शी पुष्प पाकल्या के संयुक्त तत्वावधान में मराठी की विभिन्न साहित्य विधाओं पर निःशुल्क कार्यशाला जारी है। इसी कड़ी में 8 और 9 मई को दोनों दिन सुबह 10 से सायं. 7:30 बजे तक नीरजा काव्य पर कार्यशाला होगी। मसाप की अध्यक्षा डॉ. विद्या देवधर एवं महासचिव शैलजा जोशी द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सत्र के अंतर्गत अब तक चारोली, सुधाकरी, हाइकु और शेल काव्य पर अभ्यास सत्र आयोजित किए गए, जिनमें तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक के मराठी भाषियों ने भाग लिया। मात्र चार अभ्यास सत्रों में अब तक मराठी, हिन्दी और दक्खिनी की 1200 से भी अधिक रचनाएँ बनीं। कार्यशाला में मराठी और हिंदी व्याकरण भी पढ़ाया जाता है, जिसका लाभ खासकर हैदराबाद के हिन्दी अध्यापकों को मिल रहा है। सभी सत्रों में प्ले मैथड (खेल विधि और मनोरंजक तरीके से शिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक मराठी भाषी नीरजा सत्र संयोजक धनाजी यादव से फोन नंबर 83083 02123 अथवा 9130100441 पर संपर्क कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज में ख़ुशी की लहर

महाराजा अग्रसेन प्रतिमा के सौंदर्यीकरण पर चर्चा, जीएचएमसी बनाएगा सुंदर उद्यान

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी, आंध्र प्रदेश वैश्य सम्मेलन के अध्यक्ष एवं अग्रवाल समाज की जगन्नाथ यात्रा समिति के चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने आज ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त के.वी.कर्णन से उनके कार्यालय में भेंट की।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बंजारा हिल्स के रोड नंबर 12 स्थित महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के संबंध में चर्चा की। आयुक्त ने बताया कि प्रतिमा स्थित चौराहे पर वर्तमान में यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है, जिसे ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रतिमा को बिना किसी

क्षति पहुंचाए उसके आसपास सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही प्रतिमा के चारों ओर एक सुंदर उद्यान विकसित किया जाएगा, जिसकी व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने इस पहल के लिए आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

अन्नदान से समाज में बढ़ रही मानवता और सद्भावना : महेश गुप्ता

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया, जिससे अनेक लोगों को राहत मिली और उनके चेहरों पर संतोष एवं खुशी देखने को मिली।

इस अवसर पर महेश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार निरंतर सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है, क्योंकि इससे सीधे जरूरतमंद व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता पूरी होती है। ऐसे कार्य न केवल समाज में भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करते हैं कि वे आगे बढ़कर सेवा कार्यों में भाग लें।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में जब लोग अपने-अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से इस प्रकार के सेवा कार्य करना अत्यंत सराहनीय है। यह समूह निस्वार्थ भाव से समाज के कमजोर वर्गों की सहायता कर रहा है और सेवा के माध्यम से एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर रहा है।

कार्यक्रम में ग्रुप के अनेक

सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया। इस दौरान राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, गौरव गोयल, सुरेश सिंघल एवं सोहन लाल दायमा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखा जाएगा और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को और अधिक सशक्त किया जा सके।

महिला सुरक्षा के लिए आधी रात 'रहस्य अभियान'

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महानगर में महिलाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए तेलंगाना पुलिस ने विशेष पहल की है। इसी क्रम में महिला पुलिस आयुक्त डीरींळ ने स्वयं मैदान में उतरकर एक गोपनीय अभियान चलाया, जिससे शहर में हड़कंप मच गया।

मंगलवार देर रात दिलसुखनगर बस स्टैंड क्षेत्र में महिलाओं को हो रही परेशानियों की वास्तविक स्थिति जानने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया गया। जानकारी के अनुसार, आयुक्त सुमति बिना किसी सुरक्षा के एक सामान्य महिला के रूप में बस

कमिश्नर सुमति ने खुद लिया जायजा

स्टैंड पहुंचीं और बस का इंतजार करने का नाटक करते हुए वहां की स्थिति का निरीक्षण किया।

बताया जा रहा है कि उन्हें पहचान न पाने के कारण कुछ युवकों और असामाजिक तत्वों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक उन्होंने मौके पर रहकर महिलाओं को होने वाली परेशानियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इस दौरान लगभग 40 युवकों द्वारा उन्हें परेशान किए जाने की जानकारी सामने आई है, जिनमें कुछ ने अशोभनीय टिप्पणियां भी कीं।

सूत्रों के अनुसार, दिलसुखनगर क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके चलते आयुक्त ने तीन दिनों तक स्वयं निगरानी रखी। इस विशेष अभियान के तहत संदिग्ध रूप से घूमने वाले व्यक्तियों की पहचान, महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों पर नजर और रात के समय सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की गई।

पुलिस विभाग द्वारा इस अभियान के आधार पर आगे कड़ी कार्रवाई किए जाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे शहर में महिलाओं की सुरक्षा और मजबूत हो सके।

तेरापंथ महिला मंडल की 'संगठन यात्रा' संपन्न, योजनाओं व गतिविधियों पर हुआ मंथन

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में 'संगठन यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की आंध्र प्रदेश-तेलंगाना प्रभारी श्रीमती संतोष वैद मुथा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ कार्यसमिति सदस्य श्रीमती शिल्पा सुराणा भी मौजूद थीं।

कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभाजी का संदेश श्रीमती शिल्पा सुराणा ने वाचन किया, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा का प्रेरणा संदेश निवर्तमान अध्यक्ष कविता आच्छा ने प्रस्तुत किया।

मंडल की सदस्याओं ने सरला पी. भूतोड़िया द्वारा रचित प्रेरणा गीत एवं स्वागत गीतिका का सुमधुर प्रस्तुतीकरण किया। अध्यक्ष नमिता सिंघी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मंडल की गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि हैदराबाद मंडल महानगरीय श्रेणी का एक सशक्त एवं सक्रिय मंडल है, जहां केंद्र द्वारा निर्देशित सभी कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संचालित किए जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2025-27 के कार्यकाल को नई ऊर्जा और प्रेरणा देने वाला बताया। मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने कार्यकाल की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रभारी श्रीमती संतोष वैद मुथा ने अपने संबोधन में केंद्र की प्रमुख योजनाओंसमृद्ध राष्ट्र योजना, सक्षम नारी विकसित समाज योजना, आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना तथा आदर्श परिवार योजनाकी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संगठनात्मक नियमों, कार्यप्रणाली एवं संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी प्रकाश डाला तथा उपस्थित सदस्यों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

उन्होंने तेरापंथ दर्शन एवं तत्वज्ञान परीक्षाओं तथा ऑनलाइन कार्यक्रमों में अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया। साथ ही कन्या मंडल अधिवेशन में अधिक से अधिक कन्याओं को जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान मंडल की गतिविधियों के रजिस्टर का भी अवलोकन किया गया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से हैदराबाद मंडल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कन्या मंडल की गतिविधियों की रिपोर्ट कन्या प्रभारी श्रीमती रुबि दुगड़ ने प्रस्तुत की, जबकि संयोजिका सुरभी बोथरा एवं पूर्वी सेठिया भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अंजू बैद ने कुशलतापूर्वक किया तथा अंत में आभार ज्ञापन सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल की परामर्शिकाएं, संरक्षिकाएं, पूर्व अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'लिखें शक्ति की नई त्रिचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं' के उद्घोष के साथ संगठन यात्रा कार्यक्रम उत्साह एवं श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हुआ।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा सेवा कार्यक्रम आयोजित

10 मई को पीएम मोदी के नगरागमन की तैयारी जोरों पर

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया कनवीनर चौहान मुकेश जैन ने बुधवार को प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि आगामी 10 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नगरागमन एवं राष्ट्र की प्रगति, समृद्धि एवं राष्ट्र शांति हेतु भाजपा तेलंगाना संगठन महामंत्री चंद्रशेखर के मार्गदर्शन से सर्वशक्तिमान के अनंत आशीर्वाद और सभी सम्मानित सदस्यों के हार्दिक सहयोग से, बुधवार को सेवा कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, अफ़ज़लगंज, हैदराबाद में अरदास की गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफल यात्रा तथा हमारे राष्ट्र की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई।इसके पश्चात, उस्मानिया जनरल अस्पताल में लंगर सेवा आयोजित की गई, जहाँ उपस्थित जनों और जरूरतमंदों को सेवा और मानवता की सच्ची भावना के साथ भोजन परोसा गया।

तत्पश्चात श्री शांतिनाथ जैन मंदिर एवं श्री कुशल दादावाड़ी जैन मंदिर, कारवान में भोजन वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिससे एकता, करुणा और सामाजिक सेवा का संदेश फैलाया गया।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने इस अवसर पर बताया कि हम सभी समिति सदस्यों, स्वयंसेवकों और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने इन सेवा गतिविधियों को सार्थक और सफल बनाने में अपना बहुमूल्य समय और प्रयास दिया। समुदाय सेवा के प्रति आपकी निष्ठा वास्तव में सराहनीय है। एवं सभी से निवेदन किया कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के 10 मई को परेड मैदान, सिकंदराबाद में आयोजित जनसभा में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर सभा को ऐतिहासिक बनायें।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महामंत्री रजनीश जैन, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा, समी खान, जसपाल सिंह, सतपाल सिंह, अवाइस मिर्ज़ा, चन्दना जैन, समी खान, सरवर खान, सोनू सिंह, सुमित सिंह, मोहमद गजनी, आनंद बोहरा ठाकरे, प्रवीण जैन, नीरज सुराणा, सविता रायसोनी, अवाइस मिर्ज़ा, हर्षवर्धन रीदा कुद्दोस एवं अन्य उपस्थित रहें। कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह के सहयोग से अन्नदान कार्यक्रम किया गया।

राधे-राधे ग्रुप समाज सेवा में बना प्रेरणा का स्रोत : अर्चना शास्त्री

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, राहगीरों एवं श्रमिक वर्ग के लोगों को श्रद्धा एवं समर्पण भाव से भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सेवा भावना का अनूठा संगम देखने को मिला, जहां सभी सदस्य पूरे समर्पण के साथ समाज सेवा में जुटे नजर आए।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अर्चना शास्त्री ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज समाज सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों को राहत पहुंचाता है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देता है। अर्चना शास्त्री ने आगे कहा कि आज के समय में जब लोग अपने-अपने कार्यों में व्यस्त हैं, ऐसे में इस प्रकार के संगठनों का आगे आकर सेवा करना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह सेवा कार्य निरंतर इसी तरह चलता रहना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, अर्चना शास्त्री, रेनू शर्मा, रेनू गुप्ता, नीलम, अरुण विजयवर्गीय, सियूष अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, शिव भगवान एवं मीना अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर सेवा कार्य को सफल बनाया और जरूरतमंदों की सेवा में अपना योगदान दिया।

सोसिएशन ऑफ सीनियर सिटीजन हैदराबाद की नई प्रबंध समिति का गठन

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसोसिएशन ऑफ सीनियर सिटीजन हैदराबाद की प्रबंध समिति के चुनाव 26 अप्रैल 2026 को पैराडाइज़ स्थित लायंस भवन कार्यालय में संपन्न हुए। यह जानकारी संस्था के सदस्य रमेश पी. तातेड (सिरोही निवासी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

चुनाव के बाद गठित नई कार्यकारिणी में श्री एन. अंजैया को अध्यक्ष, मैडम कामाक्षी हट्टी को चेयरपर्सन, श्री ए. माधवन को प्रथम उपाध्यक्ष, सुरेंदर कुमार को द्वितीय उपाध्यक्ष, श्री रमेश नागपाल को सचिव तथा श्री मल्लेश मंथापुरम को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके अतिरिक्त श्री हनुमंथ राव को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों (ईसी) में डी. नागेंदर, मैडम मल्लेश्वरी, मैडम मालिनी नागराज, श्री के. उदया बाबू, मैडम नीलम संध्या शामिल हैं।

संस्था में दो सह-नामित सदस्यों के रूप में मैडम मल्लेश्वरी और श्री सुंदरराज को भी शामिल किया गया है।

संस्था के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

छपरा में भीषण सड़क हादसा ट्रक ने पिकअप को रौंदा

दो महिला डांसर समेत चार की मौत, सात घायल

पटना/छपरा, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार के सारण जिले के छपरा शहर में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो महिला आर्केस्ट्रा डांसर भी शामिल हैं। सभी कलाकार उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से एक शादी समारोह में प्रस्तुति देने छपरा आए थे और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अपने घर लौट रहे थे।

यह हादसा छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र के न्यायबस्ती लोहा टोला में हुआ। जानकारी के अनुसार, आर्केस्ट्रा टीम को लेकर जा रही एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना पी.एन. सिंह कॉलेज के समीप हुई।

इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने पलटी हुई पिकअप को टक्कर मार दी और उसमें सवार लोगों को रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय महिला प्रत्यक्षदर्शी मालती देवी के अनुसार, पहले पिकअप वाहन अचानक पलट गया, जिसके तुरंत बाद पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।

इस टक्कर के कारण वाहन में सवार लोग बुरी तरह चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और शव क्षत-विक्षत अवस्था में इधर-उधर बिखर गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। 102 एंबुलेंस के एसीओ सत्य प्रकाश के नेतृत्व में घायलों और मृतकों को अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सभी कलाकार छोटा बरहमपुर से कार्यक्रम समाप्त कर बलिया लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंपने की तैयारी की जा रही है।

एवरेस्ट ट्रांजिशनल केयर सेंटर का भव्य उद्घाटन

मरीज की रिकवरी के लिए ट्रांजिशनल केयर सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): एक्यूट इनपेशेंट रिहैबिलिटेशन (तीव्र रोगी पुनर्वास) और लॉन्ग-टर्म एक्यूट केयर के लिए समर्पित एक अग्रणी केंद्र, 'एवरेस्ट ट्रांजिशनल केयर' का आज स्वास्थ्य सेवा और नागरिक जगत के प्रतिष्ठित नेताओं द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में यशोदा हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ. पवन गोरुकंती उपस्थित रहे। उनके साथ टीपीसीसी सचिव श्री जगदीश गौड़, सिम्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक श्री भीमनाथम भरत रेड्डी और एवरेस्ट ट्रांजिशनल केयर की निदेशक सुश्री मौनिका रेड्डी एटला ने कार्यक्रम में शिरकत की।

क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे में एक नया मील का पत्थर

यह उद्घाटन क्षेत्र के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो हैदराबाद के केंद्र में अमेरिकी मानक के साक्ष्य-आधारित पुनर्वास प्रोटोकॉल लेकर आया है। उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र और अमेरिका में दो दशकों से अधिक का नैदानिक अनुभव रखने वाले डॉ. के. सुधीर रेड्डी द्वारा स्थापित यह केंद्र सर्जरी या बड़ी चिकित्सीय घटनाओं के बाद मरीजों की रिकवरी में आने वाली कमियों को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. पवन गोरुकंती ने इस सुविधा की नैदानिक आवश्यकता पर प्रकाश डाला: विशेष ट्रांजिशनल केयर भारतीय स्वास्थ्य सेवा की एक लुप्त कड़ी है। एक्यूट केयर अस्पताल मरीजों को स्थिर करते हैं, लेकिन एवरेस्ट जैसे केंद्र वे स्थान हैं जहां जीवन की गुणवत्ता को पुनः प्राप्त करने की वास्तविक यात्रा शुरू होती है।

शजिनवरधाम जैन मंदिर में शांतिनाथ भगवान का अभिषेक आज

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काचीगुड़ा स्थित शजिनवरधाम जैन मंदिर में भगवान शांतिनाथ का काशकस्तव एवं अभिषेक कार्यक्रम आज प्रातः 7:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। मंदिर संघ के अनुसार इस धार्मिक आयोजन के लाभार्थी सिद्धार्थ जी (सुआहगिफ्ट परिवार) हैं। कार्यक्रम में श्रद्धालु भगवान शांतिनाथ के अभिषेक एवं पूजन में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। संघ के श्रावक हरकचंद सांवला एवं वत्सराज देवड़ा धोका ने समस्त संघ एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ज्ञानबाग कॉलोनी पर आगामी सप्ताह से सीतारामबाग मठ में होने जा रहे भागवत ज्ञान यज्ञ के संदर्भ में जगन्नाथ झीरा मठ के प्रमुख अच्युदानंद रामानुजाचार्य (अजय स्वामी) अपने भक्तों से विचार विमर्श किया। इस अवसर पर धर्मपुरुष गोकुलचंद उपाध्याय, रामदेव नागला, राकेश अग्रवाल, रूपचंद व्यास व अन्य उपस्थित थे।

शमशाबाद स्थित सेलेब्रेशन कन्वेंशन में संगीता-गोपाल बजाज की सुपुत्री सौ.कां. कुमकुम एवं सुषमा-संजय राठी के सुपुत्र चि. संदेश के विवाह समारोह में दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए- कोमल - महेश बजाज, सिमा - अमित लड्डा, रमेश कुमार बंग, श्रीगोपाल बंग, रामप्रकाश भंडारी, कृष्ण चंद्र बंग, अविनाश देवडा, राजेश करवा (अत्तापुर) एवं अन्य।

पुण्य और सेवा का संगम: राजकुमार अग्रवाल की ओर से अन्नदान

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया गया। कार्यक्रम के दौरान राजकुमार अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार निस्वार्थ भाव से समाज सेवा कर रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरण-स्रोत हैं और इससे मानवता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

आज का अन्नदान कार्यक्रम राजकुमार अग्रवाल की ओर से समर्पित किया गया। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सरड़ा, उमाकांत जी गुप्ता, उमा डालमिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

सूत्रधार साहित्यिक संस्था की 77वीं मासिक गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद द्वारा 77वीं मासिक गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। संस्थापिका सरिता सुराणा ने बताया कि यह गोष्ठी मजदूर भाई-बहनों को समर्पित थी।

कार्यक्रम की शुरुआत तृप्ति मिश्रा द्वारा महाकवि डींऑूरझरपीं ढअॅळरींहळ छळअॅरश्रर की रचना सरस्वती वंदना के पाठ से हुई। इसके पश्चात अध्यक्ष ने सभी सहभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रथम सत्र में मजदूरों की स्थिति पर सार्थक चर्चा हुई। वरिष्ठ साहित्यकार अजय कुमार सिन्हा ने कहा कि ईश्वर का दूसरा नाम विश्वकर्मा है और मजदूर उनके प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनके जीवन स्तर में सुधार आवश्यक है। दर्शन सिंह ने मजदूरों को अदृश्य योद्धा बताते हुए उनके श्रम के सम्मान की बात कही।

चंद्रप्रकाश दायमा ने कहा कि वर्तमान में मजदूरों की स्थिति में बदलाव आया है और वे अब उचित मेहनताना मांग रहे हैं। इस पर सुहास भटनागर ने समर्थन करते हुए कहा कि आज एक मिस्त्री भी प्रतिदिन लगभग 1500 रुपये तक पारिश्रमिक ले रहा है, जो उनकी स्थिति में सुधार का संकेत है।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने संगठित और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के बीच असमानता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भी कई स्थानों पर ठेकेदार मजदूरों का शोषण करते हैं और उन्हें निर्धारित मजदूरी से कम भुगतान किया जाता है। उपस्थित सदस्यों ने मजदूरों के सम्मान और सहयोग का संकल्प लिया।

द्वितीय सत्र में विभिन्न साहित्यकारों ने कविता, मुक्तक, लघुकथा और कहानी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियां दीं। सिलीगुड़ी से बबीता अग्रवाल कंवल ने मजदूरों की समस्याओं पर आधारित ग़ज़ल प्रस्तुत की। कटक (उड़ीसा) से रिमझिम झा ने लघुकथा का वाचन किया, जबकि हैदराबाद से सुहास भटनागर ने 'गांधारी' विषय पर अपनी रचना प्रस्तुत की।

किरण सिंह ने मुक्तक, अमिता श्रीवास्तव ने कविता के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। अजय कुमार सिन्हा, आर्या झा, हर्षलता दुधोड़िया, वर्षा शर्मा, दर्शन सिंह और चंद्रप्रकाश दायमा ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया।

सरिता सुराणा ने केदारनाथ अग्रवाल की प्रसिद्ध कविता वह जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है का पाठ किया तथा अपनी स्वरचित रचना भी प्रस्तुत की।

गोष्ठी में के. कुमार प्रसन्ना सहित अन्य साहित्यकार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ तथा अंत में आर्या झा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पेद्दापल्ली में विशाल रोजगार मेला, 77 कंपनियों ने दी 4,000 नौकरियों की पेशकश

पेद्दापल्ली, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशाल रोजगार मेलों का आयोजन कर रही है। यह बात सूचना प्रौद्योगिकी एवं विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बुधवार को पेद्दापल्ली शहर के वेंकट पद्मा समारोह भवन में आयोजित विशाल रोजगार मेले में कही। कार्यक्रम में पेद्दापल्ली के सांसद जी. वम्शी कृष्णा, सरकारी सचेतक सी. विजयरमन राव, जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा तथा रामागुंडम के विधायक मक्कन सिंह राज ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार के गठन के बाद पहली बार पेद्दापल्ली में तेलंगाना अकादमी कौशल एवं ज्ञान (टास्क) का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किया गया है, जिससे प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार मिल रहा है। अब तक 261 युवाओं को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी मिल चुकी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल होना अनिवार्य है। संवाद कौशल और प्रस्तुति कौशल के अभाव में स्वर्ण पदक विजेता भी रोजगार से वंचित रह जाते हैं। युवाओं को आधुनिक तकनीकों में दक्षता हासिल करने की सलाह देते हुए उन्होंने कौशल विश्वविद्यालय, उन्नत प्रशिक्षण केंद्र और टास्क केंद्रों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

मंत्री ने बताया कि रोजगार मेले में 77 कंपनियों ने भाग लिया और लगभग 4,000 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया चलाई गई, जिसमें करीब 1,500 अभ्यर्थियों का चयन सूची में किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने अब तक लगभग 70,000 सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं और निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ाकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना का डिजिटल रोजगार विनिमय मंच (डीईईटी) एक अनूठा माध्यम बताते हुए युवाओं से इसमें पंजीकरण कराने की अपील की, ताकि उनकी योग्यता और कौशल के अनुसार उपयुक्त रोजगार मिल सके।

सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार बेरोजगारी दूर करने में विफल रही, जबकि वर्तमान सरकार ने बड़े पैमाने पर नौकरियां उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों का उल्लेख करते हुए युवाओं से कौशल विकास पर ध्यान देने की बात कही।

सरकारी सचेतक चिंताकुंटा विजयरामन राव ने कहा कि टास्क के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को अच्छी नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि पेद्दापल्ली में वी-हब की स्थापना भी की गई है, जिससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है।

जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने बताया कि लोक प्रशासन प्रगति योजना के तहत उद्योग विभाग और टास्क के सहयोग से इस विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन, विपणन और विनिर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने भाग लिया और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने की सलाह, ऑयल पाम से बढ़ सकती है आय: विजयरामन राव

पेद्दापल्ली, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पब्लिक गवर्नेंस-प्रोग्रेस प्लान के अंतर्गत बुधवार को पेद्दापल्ली जिला केंद्र स्थित कृषि मार्केट में आयोजित 'किसान सप्ताह' कार्यक्रम में पेद्दापल्ली के विधायक एवं राज्य सरकार के व्हिप चिंताकुंटा विजयरामन राव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर विजयरामन राव ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ वैकल्पिक फसलों की ओर प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑयल पाम की खेती में इंटरक्रॉपिंग के माध्यम से किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि पहले किसान बाजरा, ज्वार और कपास जैसी फसलें उगाते थे, लेकिन अब अधिकांश किसान धान पर निर्भर हो गए हैं, जो दीर्घकालीन दृष्टि से लाभकारी नहीं है। किसानों को फसल चक्र (क्रॉप रोटेशन) अपनाना चाहिए और बाजार में मांग के अनुसार फसलें उगानी चाहिए। उन्होंने पाम ऑयल जैसी लाभदायक फसलों को अपनाने, यूरिया के सीमित उपयोग तथा फसल अवशेषों को न जलाने की सलाह दी।

विजयरामन राव ने कहा कि क्षेत्र के कुछ किसान प्रति एकड़ एक से डेढ़ लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान धान खरीद में मिल मालिकों द्वारा 10 से 15 किलो तक कटौती की जाती थी, लेकिन वर्तमान में बिना किसी कटौती के धान की खरीद सुनिश्चित की जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वे हमेशा किसानों के पक्ष में खड़े हैं और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहेंगे। यदि किसान सीधे अपनी समस्याएं उनके संज्ञान में लाते हैं, तो उनका शीघ्र समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी, मार्केट समिति के चेयरमैन, निदेशक, पेद्दापल्ली नगरपालिका के उपाध्यक्ष, विभिन्न गांवों के सरपंच एवं पार्षद, पूर्व जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पेयजल संकट से जूझ रहीं महिलाएं, नालों का पानी पीने को मजबूर एमपीडीओ कार्यालय के सामने धरना

मंचेरियाल, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के भीमिनी मंडल के जग्गय्यापेट गांव की एक बस्ती में मिशन भागीरथ योजना के तहत पेयजल आपूर्ति ठप होने से महिलाओं को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि वे नालों और जलस्रोतों से असुरक्षित पानी पीने को मजबूर हैं। इस समस्या के विरोध में महिलाओं ने बुधवार को मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि भीषण गर्मी के बावजूद उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है और पिछले कई महीनों से वे गंभीर जल संकट झेल रही हैं। उन्होंने कहा कि समस्या को कई बार संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ।

महिलाओं ने स्थानीय पंचायत सचिव और सरपंच पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी अनदेखी के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे मंचेरियाल स्थित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सामने बड़ा आंदोलन करेंगी।

वहीं, अधिकारियों ने बताया कि कॉलोनी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए पहले 40 हजार रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन स्थानीय आपत्तियों के कारण कार्य रुक गया और राशि का उपयोग नहीं हो सका। अब लगभग 1.20 लाख रुपये की लागत से नई पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है और जल्द ही कार्य शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नियमों के तहत हो रही धान खरीद, किसानों को मिल रहा समर्थन मूल्य: कुमार दीपक

मंचेरियाल, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि किसानों के हित में सरकार द्वारा स्थापित खरीद केंद्रों के माध्यम से निर्धारित नियमों के अनुसार धान की खरीद की जा रही है। बुधवार को उन्होंने जयपुर मंडल के टेकुमटला, इंदारम, शेटपल्ली और नरसिंगापुर गांवों में संचालित धान खरीद केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बताया कि सरकार किसानों को समर्थन मूल्य उपलब्ध कराते हुए पारदर्शी तरीके से धान की खरीद कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि असमय बारिश के कारण भीगे हुए धान को शीघ्र सुखाकर राइस मिलों तक पहुंचाया जाए, ताकि किसानों को नुकसान न हो।

कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे निर्धारित मानकों के अनुसार ही धान को खरीद केंद्रों पर लाएं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छाया, तौल मशीन, धान साफ करने की मशीन सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि किसानों का विवरण प्रणाली में दर्ज कर आधार कार्ड के माध्यम से पहचान का सत्यापन किया जाए तथा भूमि क्षेत्र और उत्पादन की जानकारी का सही मिलान सुनिश्चित किया जाए।

स्वास्थ्य केंद्रों में समयपालन व गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करें: हरिता

आसिफाबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर के. हरिता ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत चिकित्सा कर्मियों को समयपालन के साथ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को उन्होंने चिन्नामानपल्ली मंडल के गंगापुर गाँव स्थित बाबापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हाजिरी रजिस्टर, दवा भंडार कक्ष, वार्ड तथा अस्पताल परिसर की गहन जांच की। उन्होंने निर्देश दिया कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराया जाए।

गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस पैकेट उपलब्ध रखने तथा लू से प्रभावित मरीजों को तत्काल उपचार देने पर विशेष जोर दिया।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आशा वर्करों और सुपरवाइजर्स को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के गांवों का प्रतिदिन दौरा करें और गर्भवती महिलाओं तथा प्रसूताओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करते हुए सेवाओं का विवरण दर्ज करें। साथ ही उन्होंने आम जनता को लू से बचाव के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने अस्पतालों में आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडार बनाए रखने और परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि ड्यूटी में लापरवाही या देरी करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इसके उपरांत कलेक्टर ने दिंडा गांव के समीप प्रवाहित प्राणहिता नदी का निरीक्षण किया।

चेकपोस्ट पर सतर्कता बढ़ाएं, हर वाहन की गहन जांच करें

जिला कलेक्टर के. हरिता ने चेकपोस्ट पर तैनात कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने और प्रत्येक वाहन की गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को उन्होंने सिरपुर (टी) मंडल के पेद्दाबंडा में स्थापित जांच केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर रजिस्टरों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में वर्तमान में यासंगी धान्य खरीद प्रक्रिया जारी है, ऐसे में पड़ोसी राज्यों से धान की अवैध ढुलाई की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे वाहनों की नियमित जांच कर आवश्यक दस्तावेजों की पुष्टि करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करें।

कलेक्टर ने मादक पदार्थों की संभावित तस्करी को लेकर भी सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आगामी खरीफ सीजन में जिले में बड़े पैमाने पर कपास की खेती होने की संभावना है, ऐसे में सरकार द्वारा प्रतिबंधित कपास बीज एवं कीटनाशकों की अवैध ढुलाई को रोकने के लिए व्यापक जांच अभियान चलाना जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

इस निरीक्षण के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

7 हजार रिश्वत लेते एसआई रंगे हाथों गिरफ्तार

बोधन, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

निज़ामाबाद जिले के बोधन टाउन पुलिस स्टेशन में तैनात सब-इंस्पेक्टर चित्तनोज भास्कर चारी को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

बुधवार को एसीबी अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन में ही जाल बिछाकर आरोपी सब-इंस्पेक्टर को उस समय पकड़ लिया, जब वह शिकायतकर्ता से 7,000 रुपये की रिश्वत ले रहे थे। आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता के भाई के बेटे को एक आपराधिक मामले में फंसाने से बचाने के बदले यह रकम मांगी थी।

एसीबी ने मौके से रिश्वत की राशि जब्त कर ली। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने अपनी सरकारी ड्यूटी का दुरुपयोग करते हुए अवैध रूप से धन प्राप्त किया, जो भ्रष्टाचार के दायरे में आता है। एसीबी ने सब-इंस्पेक्टर चित्तनोज भास्कर चारी को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें हैदराबाद के नामपल्ली स्थित विशेष न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जहां एसपीई एवं एसीबी मामलों की सुनवाई होती है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

ईसीआईनेट ऐप से चुनाव प्रक्रिया हुई तेज

नयी दिल्ली, 06 मई। चुनाव आयोग ने कहा है कि हाल में हुए विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के दौरान आयोग के आधिकारिक एप 'ईसीआईनेट' सूचना के त्वरित संप्रेषण, चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के साथ ही सुदृढ़ साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ है। आयोग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि उसके सशक्त सूचना प्रौद्योगिकी मंच 'ईसीआईनेट' ने चुनावी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाने के साथ ही तात्कालिक अनुश्रवण, शीघ्र प्रतिवेदन तथा पारदर्शिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज खर्चा ज्यादा होगा स्वास्थ्य भी चिंतित करेगा इसलिए समजदारी से कार्यो का संचालन करें । आपका जीवन साथी आपकी और परिवार की पूरी देखभाल करेंगे आप को भी खुशी होगी । आपके दुश्मन आपके खिलाफ गुप्त रूप से काम कर सकते हैं और आपको परेशानी दे सकते हैं. आज कोई दुखद घटना आप को परेशान करेगी यात्रा का योग नही हैं फिलहाल टाल दें । मृत्युंजय यंत्र का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध का दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका दिन बदलाव का हैं परिवर्तन होगा सीनियर्स आपके कार्यों की प्रशंसा होगी. बचपन के किसी मित्र से आपकी मुलाकात होगी. दोस्त के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे. आपका मन प्रसन्न रहेगा. धैर्य पूर्वक किसी कार्य पर किया गया विचार बहुत फलदायी रहेगा. सोचे हुए कार्य पूरे होंगे. बिजनेस में कई नए मौके आपको मिलेंगे. अपने कारोबारी पार्टनर के साथ सही तालमेल रहेगा अपने परिवार के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने भी जा सकते हैं.शिवजी को जलधारा अर्पित करें बिल्वपत्र चढाए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को साझेदारी वाले कारोबार मे बहुत सोचसमझकर निर्णय लेने होंगे जीवनसंगिनी का पगपग पर साथ मिलेगा । कर्मचारियों के साथ आप असहज महसूस करेंगे. आज कहीं प्राकृतिक सौंदर्ययुक्त स्थान पर घूमने का आनन्द उठाएंगे. विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम है. आपका रोमांटिक अंदाज दाम्पत्य जीवन को प्यार से भर देगा. समाज में मान सम्मान बढ़ेगा. संबंधो को बहुत ही नाजुकता से निभाने की जरुरत हैं घर मे पौधरोपण करें सुबह तुलसी को जल सींचे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अविवाहित है तो दुर्गा जीको घी का दीपक प्रज्वलित करें मंत्र का जप करें सम्बन्ध हो सकता हैं आप को रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हैं तो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे और आकर्षक सौदे हाथ लग सकते हैं. आप स्वयं के लिए यश एव कीर्ति भी अर्जित कर पाएंगे. आपके काम और व्यवसाय में सकारात्मक विकास होगा. अगर आप नौकरी या व्यवसाय बदलना चाहते हैं, तो आपको सफलता मिलेगी. आप आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होंगे. आप के दिन का उतरार्ध सुखमय बीतेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सामाजिक कार्यों हिस्सा लेने से दिन ठीक बीतेगा आप को भी कार्य के प्रति रुचि भी रहेगी . कार्यस्थल पर किसी सहयोगी से वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है. किसी से बिना वजह आपको उलझने से बचना चाहिए. परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं. आपको कोई नया काम सिखने का अवसर मिल सकता है. कोई व्यक्ति आपकी योजनाओं को बिगाड़ने की कोशिश कर सकता है. मा भगवती को कमल का पुष्प अर्पित करें धनकोष बढेगा मन भी प्रफुल्लित रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ नया निवेश करना जोखिम भरा हो सकता हैं फिलहाल निवेश की योजना को टालदें यात्राका योग बन रहा हैं संभव हो सके तो अचल संपत्ति के विषय में आज चर्चा टाल दें. रात्रि में कुछ लोगों पर धन खर्चा करना पड़ सकता है. रोजी व रोजगार में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा. कुछ लोगों के जीवन में नये अवसर आएंगे जिन्हे नजरअंदाज न करें अन्यथा बाद में आत्मग्लानि होगी. आपके स्वभाव की सबसे खास बात संतुलित रहना है.शक्कर की मिठाई कन्याओं को खिलाएं रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन सकारात्मक रहेगा कार्य के परिणामदायक सुखद रहेंगें . सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोग कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे. आप में से कुछ नवीन संपर्क स्थापित कर पाएंगे. रचनात्मक क्षेत्रों में आप असाधारण रूप से अच्छा करेंगे. परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वालों को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे. कोर्ट में लंबित कोई संपत्ति संबंधी मामला आपके पक्ष में जाएगा. घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा डीनर को कुछ समय के लिए रोग दें आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं । कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे । अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा । आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें । मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं । आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कार्य मे रुकावटें तो जरुर आंएगी परन्तु दृढसंकल्पित होकर आगे बढते जाए. सफलता निश्चित होगी . नौकरी पेशावालों की पदोन्नति की संभावनाएं हैं. आपका साथी आपके विचारों के प्रति ग्रहणशील होगा. अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे. जीवन के प्रति गंभीरता को बनाये रखने की जरुरत है. कार्य क्षेत्र में सहकर्मियों का आपको सहयोग मिल सकता है. डिनर के वक्त कोई कारोबारी चर्चा नही करें केवल परिवार के साथ भोजन का आनंद उठाएं ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज स्वभाव कुछ मे चिडचिडापन रहेगा लोगों से वाद विवाद होगा , किन्तु आपको शांत और संयम रखने की ज़रूरत है. जल्द ही सब ठीक हो जाएगा. आपके बच्चे आपका ध्यान रखेंगे. आपको दफ़्तर में आपके सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे. वित्तीय फैसले लेने के लिए यह बहुत अच्छा वक़्त है. प्रेम प्रसंग के मामले में आज का दिन अनुकूलता लिए हुए है. खास कर वो लोग जो समाज की मर्यादाओ को अधिक महत्त्व नहीं देते ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें । गुरुदेव के मंत्र का जप करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज खुश होने वाला दिन. रूका हुआ धन वापस मिल जायेगा. आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे. व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा. समाज के कार्यों में आप आगे रहेंगे. योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी. आपकी यात्रा सुखद रहेगी. आपके काम से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे. स्टूडेंट्स को पढ़ाई-लिखाई में साथियों से मदद मिलेगी. आपका दाम्पत्य जीवन ख़ुशी से भरा रहेगा. सुबह भोर मे ॐ नमः शिवाय मंत्र का उच्चारण से कीर्तन करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज कारोबार की स्थिति ठीक है परन्तु निवेश टाल दें क्योंकि आपकी परेशानी बढ़ने की भी संभावना है. दिनभर संभलकर रहना होगा. घर-परिवार की चिंता बढ़ सकती है. कामकाज में नए बदलाव करने से बचना होगा. उच्च अधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध आपको बिजनेस में लाभ प्राप्त करवाएंगे. संतान पक्ष की ओर से चिंताएं दूर होंगी. वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक बीतेगा. स्टूडेंट्स के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी बस किसी भी काम में लापरवाही न बरतें.आलस्य को छोड दें भविष्य सुनहरा होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 मई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रात: 10:17 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 06:46 तक
योग : साध्य रात्रि 01:58 तक
करण : तैतिल प्रात: 10:17 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 01:27 तक
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : टैगोर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री रेवंत ने केंद्र से मांगी मेट्रो रेल विस्तार की मंजूरी

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को केंद्र सरकार से हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 को जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया और इसके क्रियान्वयन में केंद्र सरकार की भागीदारी को साझीदार के रूप में मांगा। दिल्ली में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ एक बैठक में उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि प्रस्तावित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन (आरजीआईए)-भारत फ्यूचर सिटी कॉरिडोर को चरण-3 के तहत लिया जाए।

चरण-2 के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सौंपी

रेवंत रेड्डी ने कहा कि सात कॉरिडोर को कवर करते हुए चरण-2 के लिए एक व्यापक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की गई है। शहर की बढ़ती परिवहन मांगों को पूरा करने के लिए तेजी से विस्तार की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भविष्य के चरणों के समन्वय को सुगम बनाने के लिए 30 अप्रैल को मेट्रो चरण-1 को एलएंडटी मेट्रो रेल हैदराबाद लिमिटेड (एलटीएमआरएचएल) से अपने हाथों में ले लिया था।

चरण-2 में 38,595 करोड़ की लागत से 122.9 किलोमीटर नई लाइनों का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने इसे केंद्र और राज्य के बीच संयुक्त उपक्रम के रूप में मंजूरी देने की मांग की। उन्होंने चरण-3 की डीपीआर पर भी प्रकाश डाला और शहरी गतिशीलता को मजबूत करने के लिए आरजीआईए विमानपत्तन-फ्यूचर सिटी कॉरिडोर को शामिल करने का आग्रह किया।

राज्य सरकार ने एलएंडटी से ली चरण-1 की जिम्मेदारी

मंत्रिमंडल ने अक्टूबर 2024 में विस्तार योजना को मंजूरी दी, जिसके बाद मई 2025 में चरण-2 के लिए डीपीआर को स्वीकृति मिली। केंद्र ने चरण-ख के साथ एकीकरण पर स्पष्टता मांगी थी, जो उस समय एलएंडटी द्वारा संचालित था। एलएंडटी द्वारा भागीदारी से इनकार करने के बाद, राज्य ने परियोजना का अधिग्रहण किया, एलटीएमआरएचएल में 100 प्रतिशत इक्विटी 1,461.47 करोड़ में खरीदी और 13,538.53 करोड़ के ऋण पुनर्वित्त की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली।

मेट्रो चरण-1, जिसका शुभारंभ नवंबर 2017 में हुआ था, औसतन 4.5 लाख दैनिक यात्रियों की संख्या दर्ज करता है, जबकि कुल यात्री संख्या 86 करोड़ को पार कर चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि यह अधिग्रहण चरण-2 के लिए रुकावटें दूर करता है।

चरण-2(भाग-1) और (भाग-2) का विवरण

चरण-2 (भाग-1) के तहत, 24,269 करोड़ की लागत से 76.4 किलोमीटर फैले पांच कॉरिडोर का प्रस्ताव है, जिसमें केंद्र (4,230 करोड़), राज्य (7,313 करोड़), ऋण (11,693 करोड़) और पीपीपी (1,033 करोड़) का योगदान है। कॉरिडोर में नागोल-शमशाबाद विमानपत्तन, रायदुर्ग-कोकापेट नियोपोलिस, एमजीबीएस-चंद्रायनगुट्टा, मियापुर-पतंचेरु और एलबी नगर-हयातनगर शामिल हैं।

चरण-2 (भाग-2) में 19,579 करोड़ की लागत से तीन कॉरिडोर पर 86.1 किलोमीटर का विस्तार है, जिसमें केंद्र का हिस्सा 3,524 करोड़, राज्य 5,874 करोड़, ऋण 9,398 करोड़ और पीपीपी 783 करोड़ है। कॉरिडोर में शमशाबाद विमानपत्तन-फ्यूचर सिटी, जेबीएस -मेडचल और जेबीएस -शमीरपेट शामिल हैं।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य सचिव के. श्रीनिवास, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, एचएमआरएल प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद, शहरी परिवहन सलाहकार एन.वी.एस. रेड्डी, तेलंगाना भवन विशेष अधिकारी संजय कुमार और समन्वय सचिव अद्वैत कुमार सिंह शामिल थे।

तेलंगाना सरकार राशन दुकानों पर सब्सिडी दर पर बांटेगी ज्वार-मक्का : उप मुख्यमंत्री भट्टी

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना सरकार ने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मक्का और ज्वार की खरीद कर गरीब लोगों को राशन दुकानों पर सब्सिडीदर पर वितरित करने का निर्णय लिया है।

एक बयान में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों को नुकसान से बचाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पौष्टिक आहार सुनिश्चित करने के दोहरे उद्देश्यों को लेकर यह निर्णय लिया है।

खुले बाजार की बजाय सीधे गरीबों तक पहुंचेगा अनाज

उन्होंने कहा कि खरीदे गए अनाज को खुले बाजार में नीलाम करने के बजाय, जहां अक्सर दलाल मुनाफा कमाते हैं, सरकार सिविल सप्लाई विभाग के माध्यम से प्रचलित बाजार दरों से कम कीमतों पर उत्पाद सीधे वितरित करने पर विचार कर रही है। भट्टी ने कहा कि किसान कल्याण सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बना हुआ है और किसानों को अपनी उपज का नुकसान नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों से सीधे मक्का और ज्वार खरीदने का निर्णय किसान कल्याण पर केंद्रित एक हालिया कैबिनेट उप-समिति की बैठक के दौरान लिया गया था।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मक्का और ज्वार जैसे पौष्टिक अनाज आम जनता को किफायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएं।

दलालों के शोषण पर लगेगी लगाम

उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रणाली के तहत, दलाल सरकारी नीलामी से कम दरों पर अनाज खरीदकर मुनाफे पर बेचकर लाभ उठाते हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह के शोषण को रोकने के लिए, सरकार राशन दुकानों के माध्यम से सीधे उपभोक्ताओं तक अनाज को पैक करके वितरित करने की योजना बना रही है। भट्टी ने कहा, अनाज केवल बाजार का एक वस्तु नहीं रहना चाहिए; यह पौष्टिक भोजन के रूप में कार्य करना चाहिए जो गरीबों की भूख शांत करे।'

गुरुकुल विद्यालयों और पोल्ट्री किसानों को भी मिलेगा लाभ

उन्होंने कहा कि यह पहल कल्याण छात्रावासों में पढ़ रहे छात्रों को भी लाभ पहुंचाएगी।

सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि छात्रों में पोषण स्तर सुधारने के लिए एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक गुरुकुल विद्यालयों और छात्रावासों को मक्का और ज्वार की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार पोल्ट्री किसानों को भी बाजार दर से कम कीमतों पर अनाज की आपूर्ति करने पर विचार कर रही है ताकि चुनौतियों का सामना कर रहे पोल्ट्री क्षेत्र को सहारा मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय का किसानों और आम जनता ने स्वागत किया है।

सरकारी अस्पतालों में ड्रग स्क्रीनिंग अभियान में 87 राउडी शीटर्स पॉजिटिव

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने बुधवार को शहर भर के सरकारी अस्पतालों में राउडी शीटर्स और संदिग्ध नशा उपभोक्ताओं पर आश्चर्यजनक ड्रग परीक्षण किए, जिसमें 87 व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए, पुलिस ने कहा। परीक्षण एच-न्यू और टास्क फोर्स टीमों द्वारा गांधी अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल और एर्रागड्डा में सरकारी मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल में किए गए। पुलिस ने कहा कि ''नार्को टेस्ट'' अभियान के दौरान कुल 204 व्यक्तियों का परीक्षण किया गया। गांधी अस्पताल में 41 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें से 12 पॉजिटिव पाए गए। उस्मानिया जनरल अस्पताल में 90 में से 52 व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए, जबकि एर्रागड्डा के सरकारी मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल में 73 में से 23 व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए।

यह अभियान हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार के निर्देशों पर चलाया गया। पुलिस ने कहा कि परीक्षणों को राउडी शीटर्स, उपद्रव फैलाने वालों और एनडीपीएस मामलों में नियमित नशा उपभोग के इतिहास वाले व्यक्तियों को लक्षित किया गया ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कानूनी परिणामों के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके।

पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों को मनोचिकित्सकों द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों और पुनर्वास की आवश्यकता पर परामर्श दिया गया। पुलिस ने कहा कि कानून के अनुसार पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी मामले दर्ज किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम का संचालन डीसीपी टास्क फोर्स और एच-न्यू वैभव रघुनाथ गायकवाड़ और अतिरिक्त डीसीपी टास्क फोर्स अंदे श्रीनिवास की निगरानी में तीनों अस्पतालों के डॉक्टरों के समन्वय में किया गया।

फीस नियंत्रित करो : अभिभावकों ने अनियंत्रित फीस और गिरती शिक्षा गुणवत्ता पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को हैदराबाद के प्रेस क्लब में शहर के शैक्षिक परिदृश्य को बचाने के लिए एक बढ़ते आंदोलन का केंद्र बन गया। एक गरमागरम गोलमेज सम्मेलन में अभिभावकों, छात्र संगठनों, शिक्षकों और कार्यकर्ताओं ने, जिनमें तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) प्रमुख के कविता भी शामिल थीं, एक ही अत्यंत संकट पर चर्चा की: शिक्षा की गिरती गुणवत्ता और फीस नियमन के अभाव से अनियंत्रित शोषण।

फीस वृद्धि तुरंत रोकने की मांग, राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान

के कविता, जिन्होंने सभा को संबोधित किया, ने बैठक के लिए दृढ़ स्वर निर्धारित किया, यह मांग करते हुए कि सरकार तुरंत सभी फीस वृद्धियों को रोके। ''सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी स्कूल पिछले वर्ष की तुलना में एक रुपया भी फीस न बढ़ाए,'' उन्होंने जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि जबकि दीर्घकालिक सुधार और आयोग आवश्यक हैं, अभिभावकों को प्रवेश, परिवहन और सामग्री के कुचलक वित्तीय बोझ से तत्काल राहत की आवश्यकता है।

कविता ने राज्य भर में एकीकृत विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया, अभिभावकों और छात्र संघों से सरकार पर दबाव डालने के लिए अपनी मांगें जिला कलेक्टरेटों तक ले जाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वह सरकार बनाती हैं तो वह निःशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगी।

सरकार कॉर्पोरेट शोषण की मूक दर्शक

अखडङ्म, डङ्मख और झ्रडण सहित विभिन्न संगठनों के छात्र प्रतिनिधियों ने तर्क दिया कि सरकार अभिभावकों की हताशा पर कॉर्पोरेट शैक्षणिक संस्थानों के फलने-फूलने के दौरान मूक दर्शक बनी हुई है। एआईएसएफ (ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन) के एक प्रतिनिधि ने इशारा किया, सरकारें सरकारें गरीब और वंचित छात्रों के हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं। उन्होंने शिक्षा के लिए बजट का 15 प्रतिशत आवंटन करने का वादा किया, लेकिन वास्तव में, वे सतह को भी नहीं खरोंच पाते। राज्य फीस विनियमन अधिनियम लागू करने से डरा हुआ है क्योंकि, कई मामलों में, ये निजी और कॉर्पोरेट संस्थान उन्हीं राजनेताओं के स्वामित्व में हैं जो विधानसभा में बैठकर कानून बनाते हैं।

शिक्षा में गुणवत्ता संकट और सुधार की मांगें

हैदराबाद स्कूल पैरेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह बैठक, शैक्षिक गुणवत्ता, सरकार बनाम निजी के सामान्य रूपक से आगे बढ़ी। तल्लुला संघम की ओर से भाग्य लक्ष्मी, जो शहर के शहरी झुग्गी-झोपड़ियों में सीधे काम करने वाली माताओं का एक सामूहिक है, ने एक विनाशकारी वास्तविकता को उजागर किया।

हम उन बच्चों के साथ काम करते हैं जिन्हें वित्तीय संघर्षों या श्रम के कारण स्कूल से बाहर धकेल दिया गया है। लेकिन जब हम उन्हें सफलतापूर्वक कक्षा में वापस लाते हैं, तो हमें एक अलग संकट दिखाई देता है,उन्होंने नोट किया। राष्ट्रीय आकलन सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, उन्होंने इशारा किया कि तेलंगाना वर्तमान में शैक्षिक परिणामों में 26वें स्थान पर है। यह केवल स्कूल से बाहर होने के बारे में नहीं है। यह सालों की स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भी अपना नाम, अपने माता-पिता का नाम लिखने या बुनियादी अंकगणित हल करने के लिए संघर्ष करने वाले बच्चों के बारे में है।

अस्पताल के बाहर महिला ने बच्ची का किया अपहरण

बिना संतान रिश्तेदार को देने की थी योजना, 48 घंटे में शिशु बरामद

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में एक चौंकाने वाला अपहरण का मामला सामने आया जब एक महिला ने कथित तौर पर अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर सो रही छह महीने की बच्ची का अपहरण कर लिया, जो ऑर्शोऔंशिवश्रॢ अपनी बिना संतान रिश्-तेदार को बच्चा उपहार में देने के लिए किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रीदेवी (35), कार्तिक उर्फ सोनू (18), जॉनसन (24) और दो 17 वर्षीय किशोरों के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास से एक मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन जब्त किए।

शिशु 48 घंटे में सुरक्षित बरामद

शिशु को सूरारम पुलिस द्वारा 48 घंटे के भीतर सुरक्षित बचा लिया गया, जिन्होंने इस अपराध में संलिप्तता के आरोप में दो किशोरों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह घटना 4 मई की सुबह के शुरुआती घंटों में सूरारम में नारायण मल्ला रेड्डी अस्पताल के बाहर हुई। पुलिस के अनुसार, बच्ची का परिवार फुटपाथ पर सो रहा था जब आरोपियों ने कथित तौर पर शिशु को उठाया और मोटरसाइकिल पर फरार हो गए।

मां की शिकायत पर चला व्यापक तलाश अभियान

पुलिस ने कहा कि बच्ची की मां नवनीता, बसीर की पत्नी, ने लगभग रात्रि 2 बजे अपनी छह महीने की बेटी को गायब पाकर सूरारम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया और शिशु का पता लगाने और दोषियों को पकड़ने के लिए चार विशेष जांच दल गठित किए।

आरोपियों ने अपहरण से पहले की थी रैकी

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि मुख्य आरोपी श्रीदेवी ने कथित तौर पर अपनी भाभी को बिना संतान के कारण भावनात्मक रूप से पीड़ित देखने के बाद अपहरण की योजना बनाई थी। पुलिस ने कहा कि श्रीदेवी और उसके सहयोगी, जो खानपान सेव-ाओं में काम करते हैं, पहले 3 मई को अस्पताल क्षेत्र का दौरा किया और रैकी की। रैकी के दौरान, उन्होंने एक महिला को चार बच्चियों के साथ फुटपाथ पर सोते हुए देखा और कथित तौर पर उनमें से एक का अपहरण करने का फैसला किया।

समूह ने कथित तौर पर उसी रात बाद में वापसी की और परिवार के गहरी नींद में सोने का इंतजार किया। श्रीदेवी ने कथित तौर पर दो आरोपियों, कार्तिक उर्फ सोनू और जॉनसन को निर्देश दिया कि वे बच्ची को उठाएं और मोटरसाइकिल पर भाग जाएं।

सीसीटीवी फुटेज से पुलिस तक पहुंचे आरोपी

अपराध स्थल से एकत्रित सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्य का उपयोग करते हुए, पुलिस ने आरोपियों का पता राजेंद्रनगर में डेयरी फार्म के पास एक फंक्शन हॉल तक लगाया। आरोपियों को 5 मई की देर रात रॉयल हयात फंक्शनल हॉल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अपहृत शिशु को भी सुरक्षित रूप से बचाया और बच्ची को परिवार से पुनः मिलाया।

अधिकारियों ने कहा कि सूरारम पुलिस स्टेशन, सीसीएस और एसओटी इकाइयों की कई टीमों ने 48 घंटे के भीतर मामला सुलझाने के लिए लगातार काम किया। बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की गई।

सीसीटीवी वायरल होने के बाद महिलाओं ने कूरियर से लौटाए 24 चोरी के साड़ी

हैदराबाद, 06 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ओडिशा के अंगुल में बोयानिका शोरूम में हुई साड़ी चोरी का मामला एक अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब आरोपी महिलाओं ने कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नुकसान की भरपाई करने की कोशिश की।

7.18 लाख के साड़ी की चोरी, 1,400 का कुर्ता खरीदकर बढ़ाई शक से बचने की कोशिश

यह घटना 11 अप्रैल की है, जब महिलाओं का एक समूह सरकारी संचालित टेक्सटाइल आउटलेट में नियमित खरीदारों के रूप में प्रवेश किया। शक से बचने के लिए उन्होंने पहले 1,400 का एक कुर्ता खरीदा, इसके बाद कथित तौर पर अपने कपड़ों के नीचे 25 महंगी साड़ी छिपाकर वहां से फरार हो गईं। चोरी गई संग्रहणी की कीमत लगभग 7.18 लाख आंकी गई।

शोरूम के कर्मचारियों ने शाम को चोरी की खोज की और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके तुरंत बाद, शोरूम का सीसीटीवी दृश्य ऑनलाइन सामने आया और तेजी से वायरल हो गया, जिससे कथित तौर पर शामिल लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक सार्वजनिक ध्यान और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर स्थानीय अपमान का हवाला देकर वापसी

जैसे ही फुटेज फैला, कथित तौर पर महिलाओं में से एक ने शोरूम के कर्मचारियों से संपर्क किया और शिकायत वापस लेने का अनुरोध किया, साथ ही अपने इलाके में हुई अपमानजनक स्थिति का हवाला दिया। कुछ दिनों बाद, शोरूम को एक कूरियर पैकेज प्राप्त हुआ जिसमें चोरी गई 25 साड़ी में से 24 साड़ी थीं।

पुलिस का साफ संदेश: चोरी का माल लौटाने से अपराध नहीं मिटता

लेकिन वापसी की इस कोशिश ने कानूनी प्रक्रिया को नहीं रोका है। अंगुल में पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चोरी किया सामान वापस करने से स्वयं अपराध समाप्त नहीं हो जाता।

जांचकर्ताओं के अनुसार, मामला अभी भी सक्रिय है, कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी, और चोरी में शामिल हर व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

अधिकारियों ने यह भी नोट किया कि एक साड़ी अभी भी गायब है, जबकि मूल कृत्य के लिए आपराधिक दायित्व में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.